॥ श्री गणेशाय नमः ॥

जन्मपत्रिका

Rajesh Jain
18/04/1974 11:30 AM
Ujjain, Madhya Pradesh, India

निर्मित

सामान्य कुंडली विवरण

सामान्य विवरण

जन्म दिनांक	18/04/1974
जन्म समय	11:30
जन्म स्थान	Ujjain, Madhya Pradesh, India
अक्षांश	23 N 10
देशांतर	75 E 47
समय क्षेत्र	+05:30
अयनांश	23:29:53
सूर्योदय	6:4:12
सूर्यास्त	18:48:43

घात चक्र

महीना	आषाढ़
तिथि	2,7,12
दिन	सोमवार
नक्षत्र	स्वाति
योग	परिघ
करण	कौलव
प्रहर	3
चंद्र	11

पंचांग विवरण

तिथि	कृष्ण एकादशी
योग	शुक्ल
नक्षत्र	शतभिसा
करण	बालव

ज्योतिषीय विवरण

वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
योनि	अश्व
गण	राक्षस
नाड़ी	आदि
जन्म राशि	कुम्भ
राशि स्वामी	शनि
नक्षत्र	शतभिसा
नक्षत्र स्वामी	राहु
चरण	3
युञ्जा	प्रभाग
तत्त्व	वायु
नामाक्षर	सी
पाया	ताम्ब्र
लग्न	मिथुन
लग्न स्वामी	बुध

iwebnapp.com

ग्रह स्थिति

ग्रह	वक्री	जन्म राशि	अंश	राशि स्वामी	नक्षत्र	नक्षत्र स्वामी	भाव
सूर्य	--	मेष	04:19:37	मंगल	अश्विनी	केतु	ग्यारहवाँ
चन्द्र	--	कुम्भ	14:17:34	शनि	शतभिसा	राहु	नौवां
मंगल	--	मिथुन	05:15:04	बुध	मृगशिरा	मंगल	पहला
बुध	--	मीन	17:38:55	गुरु	रेवती	बुध	दसवां
गुरु	--	कुम्भ	15:24:31	शनि	शतभिसा	राहु	नौवां
शुक्र	--	कुम्भ	18:29:46	शनि	शतभिसा	राहु	नौवां
शनि	--	मिथुन	06:26:24	बुध	मृगशिरा	मंगल	पहला
राहु	हाँ	वृश्चिक	28:44:34	मंगल	ज्येष्ठा	बुध	छठा
केतु	हाँ	वृष	28:44:34	शुक्र	मृगशिरा	मंगल	बारहवां
लग्न	--	मिथुन	26:33:13	बुध	पुनर्वसु	गुरु	पहला

सूर्य
मेष
अश्विनी

हानिप्रद

चन्द्र
कुम्भ
शतभिसा

सम

मंगल
मिथुन
मृगशिरा

हानिप्रद

बुध
मीन
रेवती

सम

गुरु
कुम्भ
शतभिसा

हानिप्रद

शुक्र
कुम्भ
शतभिसा

योगकारक

शनि
मिथुन
मृगशिरा

राहु
वृश्चिक
ज्येष्ठा

--

केतु
वृष
मृगशिरा

--

iwebnapp.com

जन्म कुंडली

लग्न कुंडली

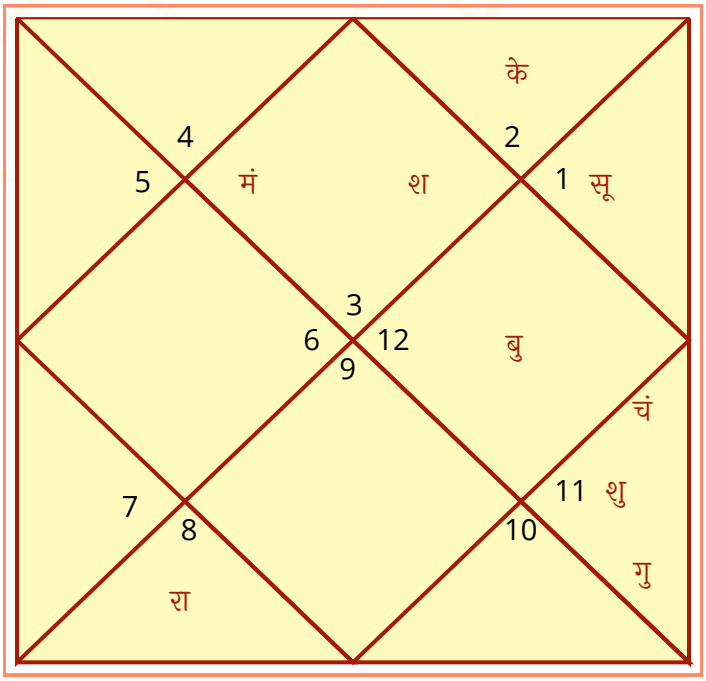

व्यक्ति के जन्म के समय आकाश में पूर्वी क्षितिज जो राशि उदित होती है, उसे ही उसके लग्न की संज्ञा दी जाती है। जन्म कुण्डली में 12 भाव होते है। इन 12 भावों में से प्रथम भाव को लग्न कहा जाता है। कुण्डली में अन्य सभी भावों की तुलना में लग्न को सबसे अधिक महत्व पूर्ण माना जाता है। लग्न भाव बालक के स्वभाव, रुचि, विशेषताओ और चरित्र के गुणों को प्रकट करता है।

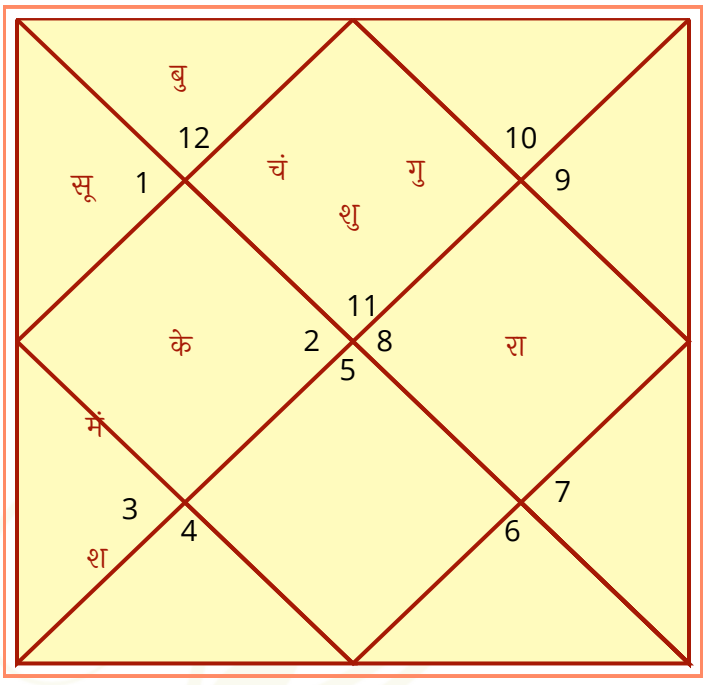

चंद्र कुंडली

लग्न कुंडली के बाद जिस राशि में चंद्रमा होता है उसे लग्न मानकर एक और कुंडली का निर्माण होता है जो चन्द्र कुंडली कहलाती है। चंद्र कुंडली का भी फलित ज्योतिष में लग्न कुंडली जितना ही महत्त्व है। लग्न शरीर, तो चंद्र मन का कारक है और वे एक दूसरे के पूरक हैं।

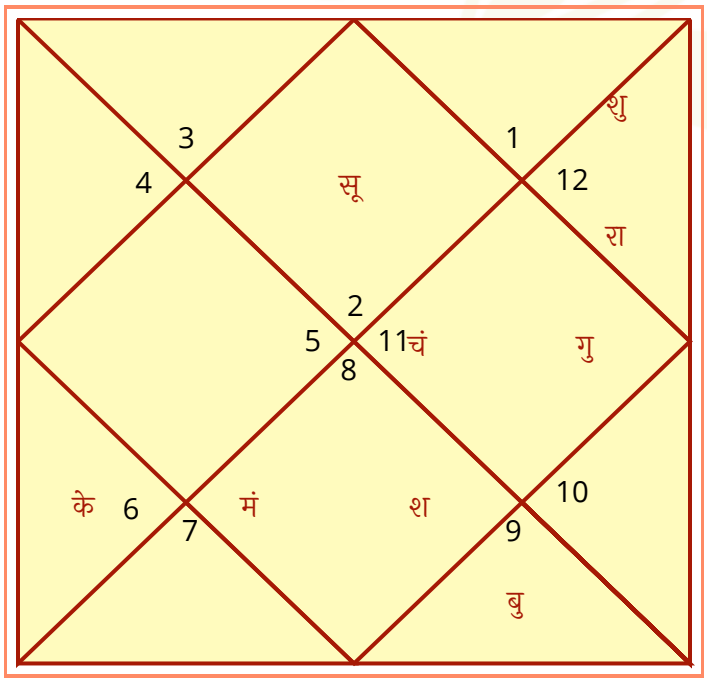

नवमांश कुंडली

नवांश कुण्डली को नौ भागों में बांटा जाता है, जिसके आधार पर जन्म कुण्डली का विवेचन होता है। नवांश कुण्डली में यदि ग्रह अच्छी स्थिति या उच्च के हों तो वर्गोत्तम की स्थित उत्पन्न होती है और व्यक्ति शारीरिक व आत्मिक रुप से स्वस्थ हो शुभ दायक स्थिति को पाता है।

iwebnapp.com

भाव सन्धि

लग्न - 26:33:13 दशम भाव मध्य - 19:17:12

भाव	जन्म राशि	भाव मध्य	जन्म राशि	भाव संधि
1	मिथुन	26:33:13	कर्क	10:20:33
2	कर्क	24:07:53	सिंह	07:55:13
3	सिंह	21:42:32	कन्या	05:29:52
4	कन्या	19:17:12	तुला	05:29:52
5	तुला	21:42:32	वृश्चिक	07:55:13
6	वृश्चिक	24:07:53	धनु	10:20:33
7	धनु	26:33:13	मकर	10:20:33
8	मकर	24:07:53	कुम्भ	07:55:13
9	कुम्भ	21:42:32	मीन	05:29:52
10	मीन	19:17:12	मेष	05:29:52
11	मेष	21:42:32	वृष	07:55:13
12	वृष	24:07:53	मिथुन	10:20:33

चलित कुंडली

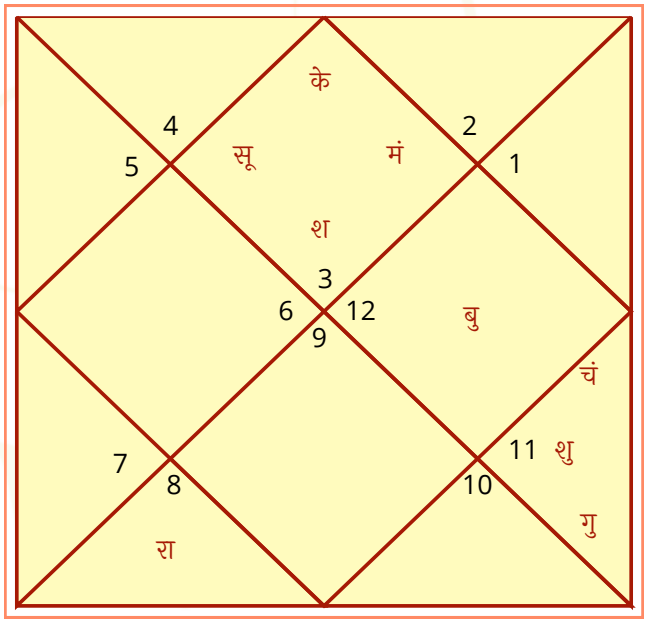

लग्न कुंडली का शोधन चलित कुंडली है, अंतर सिर्फ इतना है कि लग्न कुंडली यह दर्शाती है कि जन्म के समय क्या लग्न है और सभी ग्रह किस राशि में विचरण कर रहे हैं और चलित से यह स्पष्ट होता है कि जन्म समय किस भाव में कौन सी राशि का प्रभाव है और किस भाव पर कौन सा ग्रह प्रभाव डाल रहा है।

iwebnapp.com

वर्ग कुंडली

सूर्य कुंडली

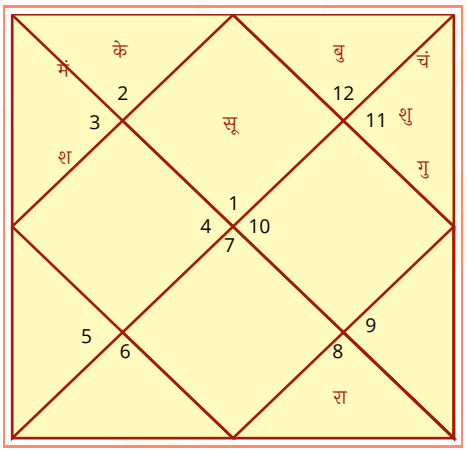

शरीर, स्वास्थ्य, रचना

होरा कुंडली

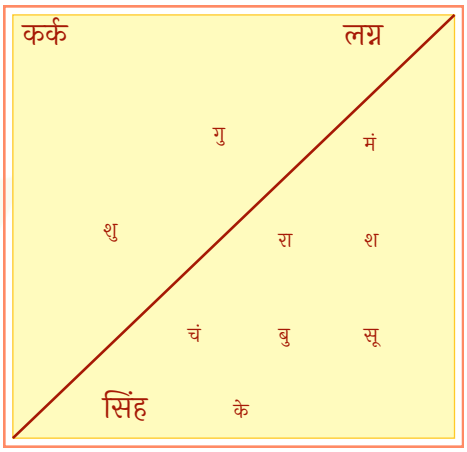

वित्त , धन -सम्पदा, समृद्धि

द्रेष्काण कुंडली

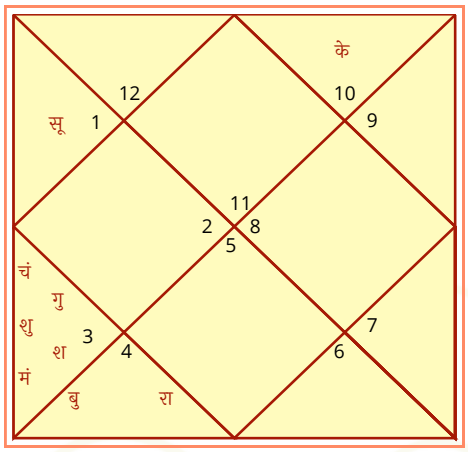

भाई बहन

चतुर्थांश कुंडली

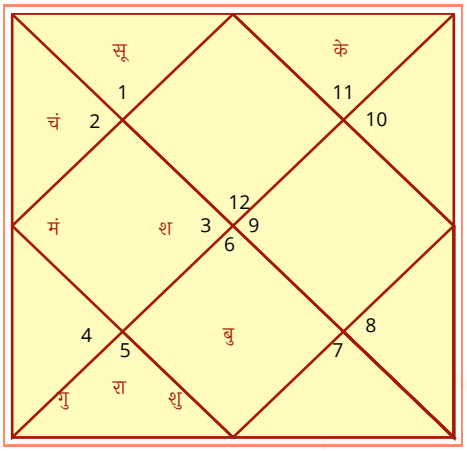

भाग्य

पंचमांश कुंडली

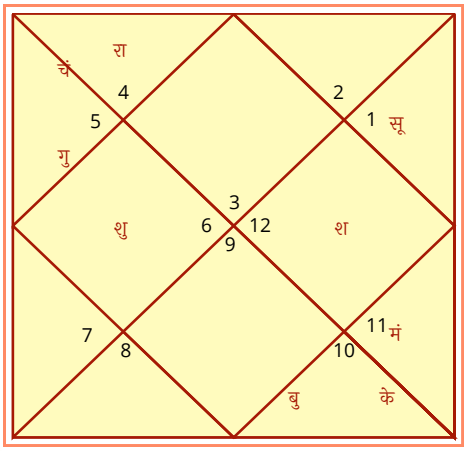

आध्यात्मिकता

सप्तमांश कुंडली

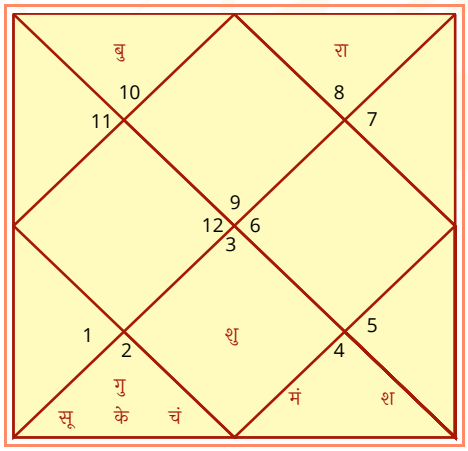

सन्तान

अष्टमांश कुंडली

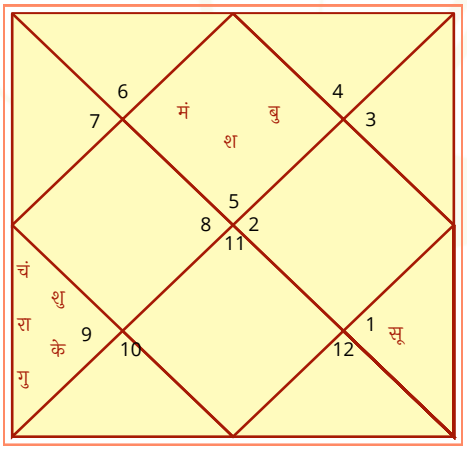

आयु

दशमांश कुंडली

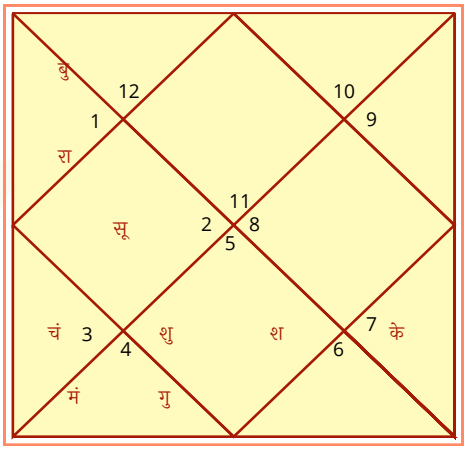

व्यवसाय, जीवनयापन

द्वादशांश कुंडली

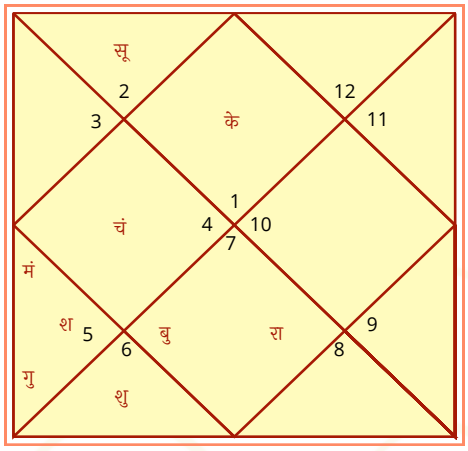

माता-पिता, पैतृक सुख

iwebnapp.com

वर्ग कुंडली

षोडशांश कुंडली

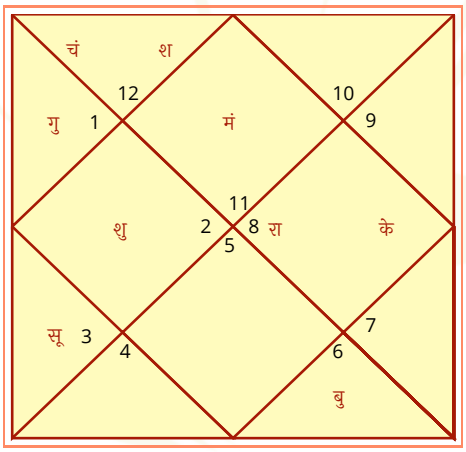

सुख, दुख, वाहन

विशमांश कुंडली

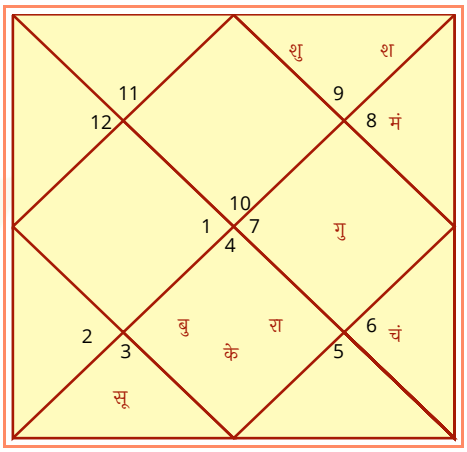

आध्यात्मिक प्रगति एवं पूजा पाठ

चतुर्विंशांश कुंडली

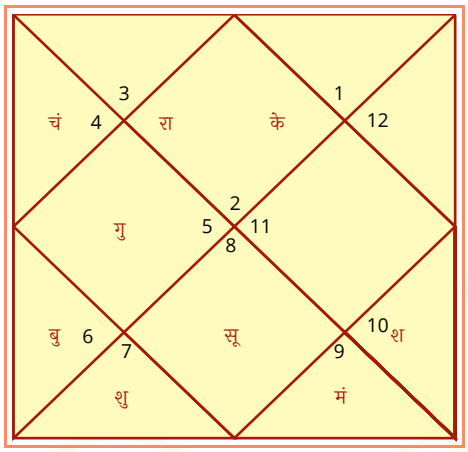

शैक्षणिक उपलब्धि, शिक्षा

भांष कुंडली

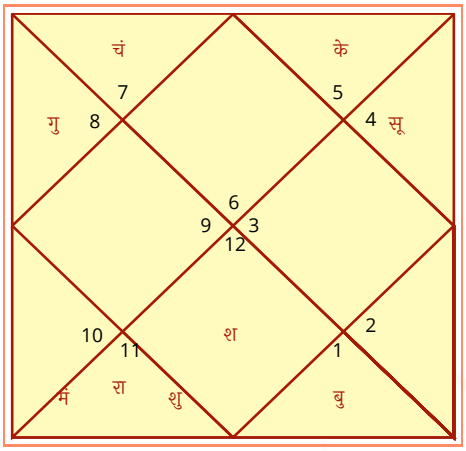

शारीरिक शक्ति, सहनशक्ति

त्रिषमांष कुंडली

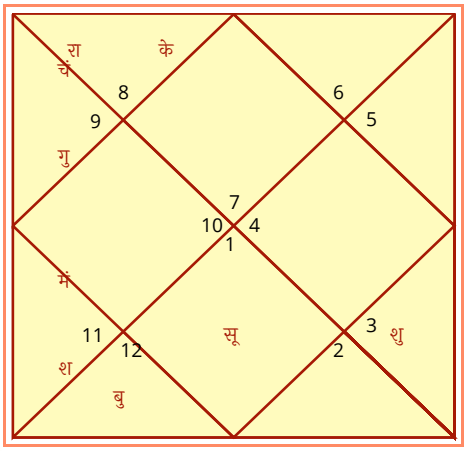

बुराई, विपत्तियां

खवेदांश कुंडली

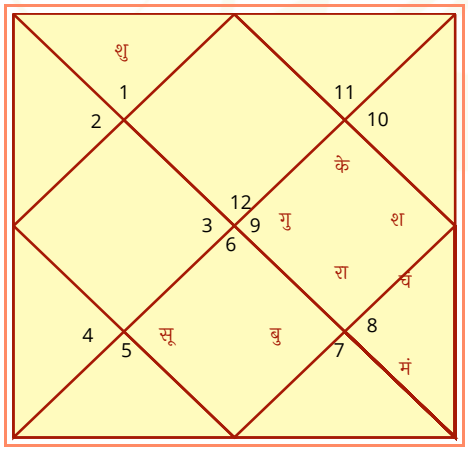

शुभ और अशुभ प्रभाव

अक्षवेदांश कुंडली

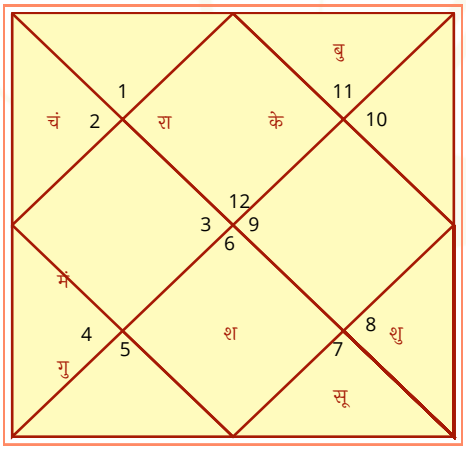

जातक का चरित्र और आचरण

षष्टयांश कुंडली

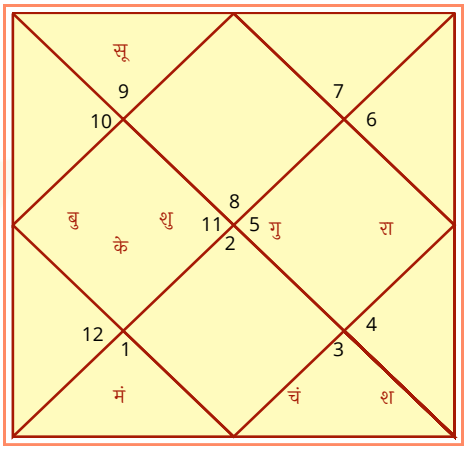

सामान्य खुशियाँ

iwebnapp.com

पंचधा मैत्री चक्र

नैसर्गिक मैत्री

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	--	मित्र	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु
चंद्र	मित्र	--	सम	मित्र	सम	सम	सम
मंगल	मित्र	मित्र	--	शत्रु	मित्र	सम	सम
बुध	मित्र	शत्रु	सम	--	सम	मित्र	सम
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	--	शत्रु	सम
शुक्र	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	सम	--	मित्र
शनि	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	--

तात्कालिक मैत्री

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	--	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र
चंद्र	मित्र	--	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु
मंगल	मित्र	शत्रु	--	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु
बुध	मित्र	मित्र	मित्र	--	मित्र	मित्र	मित्र
गुरु	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	--	शत्रु	शत्रु
शुक्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	--	शत्रु
शनि	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	--

iwebnapp.com

पंचधा मैत्री

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	--	अतिमित्र	अतिमित्र	मित्र	अतिमित्र	सम	सम
चंद्र	अतिमित्र	--	शत्रु	अतिमित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु
मंगल	अतिमित्र	सम	--	सम	सम	शत्रु	शत्रु
बुध	अतिमित्र	सम	मित्र	--	मित्र	अतिमित्र	मित्र
गुरु	अतिमित्र	सम	सम	सम	--	अतिशत्रु	शत्रु
शुक्र	सम	अतिशत्रु	शत्रु	अतिमित्र	शत्रु	--	सम
शनि	सम	अतिशत्रु	अतिशत्रु	अतिमित्र	शत्रु	सम	--

iwebnapp.com

कृष्णमूर्ति पद्धति ग्रह स्थिति

ग्रह	वक्री	जन्म राशि	अंश	राशि स्वामी	भाव
सूर्य	--	मेष	04:19:37	मंगल	11
चन्द्र	--	कुम्भ	314:17:34	शनि	9
मंगल	--	मिथुन	65:15:04	बुध	1
बुध	--	मीन	347:38:55	गुरु	10
गुरु	--	कुम्भ	315:24:31	शनि	9
शुक्र	--	कुम्भ	318:29:46	शनि	9
शनि	--	मिथुन	66:26:25	बुध	1
राहु	हाँ	वृश्चिक	238:44:34	मंगल	6
केतु	हाँ	वृष	58:44:34	शुक्र	12
लग्न	--	मिथुन	86:33:13	बुध	1

ग्रह	नक्षत्र	नक्षत्र स्वामी	चरण	सब	सब-सब
सूर्य	अश्विनी	केतु	2	चन्द्र	बुध
चन्द्र	शतभिसा	राहु	3	बुध	शनि
मंगल	मृगशिरा	मंगल	4	सूर्य	शनि
बुध	रेवती	बुध	1	बुध	मंगल
गुरु	शतभिसा	राहु	3	शुक्र	शुक्र
शुक्र	शतभिसा	राहु	4	चन्द्र	गुरु
शनि	मृगशिरा	मंगल	4	चन्द्र	शुक्र
राहु	ज्येष्ठा	बुध	4	शनि	शुक्र
केतु	मृगशिरा	मंगल	2	शनि	शुक्र
लग्न	पुनर्वसु	गुरु	2	केतु	बुध

iwebnapp.com

कृष्णमूर्ति पद्धति भाव संधि और कुंडली

भाव	जन्म राशि	अंश	राशि स्वामी	नक्षत्र	नक्षत्र स्वामी	सब	सब-सब
1	कर्क	110:03:06	चन्द्र	अश्लेषा	बुध	शुक्र	मंगल
2	सिंह	134:10:31	सूर्य	पूर्व फाल्गुनी	शुक्र	शुक्र	राहु
3	कन्या	161:21:53	बुध	हस्त	चन्द्र	मंगल	गुरु
4	तुला	192:47:05	शुक्र	स्वाति	राहु	बुध	बुध
5	वृश्चिक	226:42:28	मंगल	ज्येष्ठा	बुध	बुध	बुध
6	धनु	259:39:43	गुरु	पूर्व षाढ़ा	शुक्र	राहु	शुक्र
7	मकर	290:03:06	शनि	श्रावण	चन्द्र	केतु	राहु
8	कुम्भ	314:10:31	शनि	शतभिसा	राहु	बुध	शनि
9	मीन	341:21:53	गुरु	उत्तर भाद्रपद	शनि	चन्द्र	गुरु
10	मेष	12:47:05	मंगल	अश्विनी	केतु	बुध	गुरु
11	वृष	46:42:28	शुक्र	रोहिणी	चन्द्र	शनि	शुक्र
12	मिथुन	79:39:43	बुध	आर्द्रा	राहु	मंगल	बुध

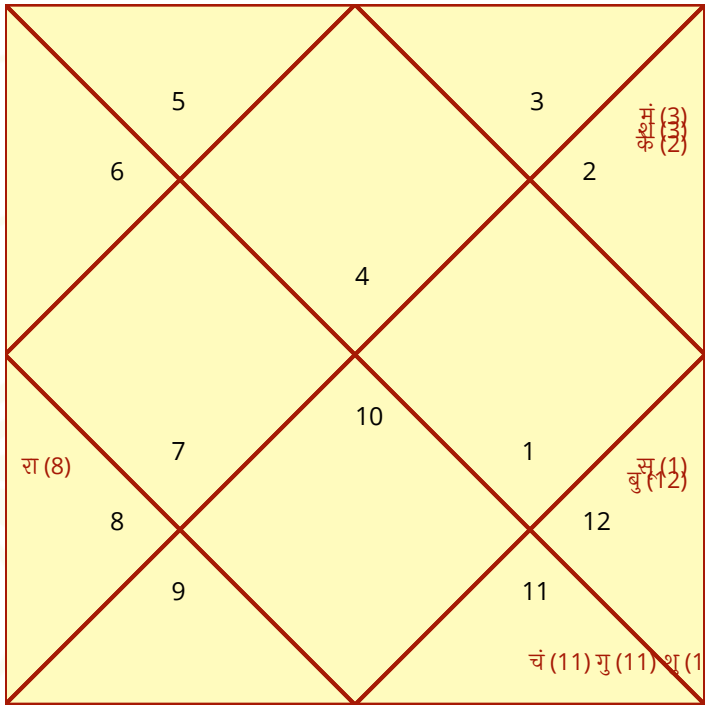

iwebnapp.com

सूर्य भिन्नाष्टक वर्ग

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	लग्न	कुल
मेष	1	1	1	0	0	0	1	1	5
वृषभ	1	0	0	1	0	0	0	1	3
मिथुन	0	0	1	0	1	0	1	0	3
कर्क	1	1	1	1	1	1	1	0	7
सिंह	0	0	0	1	0	1	0	1	3
कन्या	0	0	1	0	0	0	1	1	3
तुला	1	0	0	0	1	0	0	0	2
वृश्चिक	1	1	0	1	0	0	0	1	4
धनु	1	1	1	1	1	0	1	0	6
मकर	1	0	1	1	0	1	1	0	5
कुंभ	1	0	1	1	0	0	1	0	4
मीन	0	0	1	0	0	0	1	1	3

अभिप्राय

पिता

व्यक्तिगत प्रभाव

राजकीय कृपा

सूचक

शुभ

अशुभ

मिश्रित

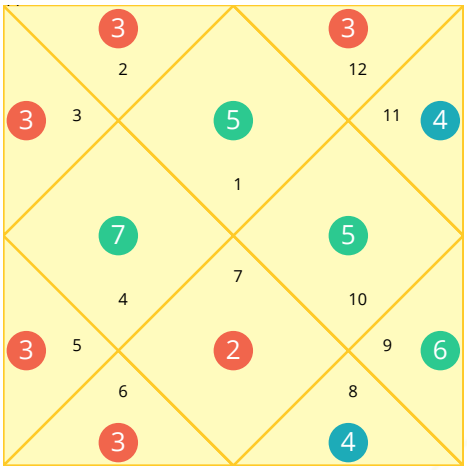

iwebnapp.com

चंद्र भिन्नाष्टक वर्ग

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	लग्न	कुल
मेष	0	1	1	0	0	1	1	1	5
वृषभ	0	0	0	1	1	1	0	0	3
मिथुन	1	0	0	1	0	1	0	0	3
कर्क	0	1	1	1	0	0	0	0	3
सिंह	0	1	1	0	1	1	1	1	6
कन्या	1	0	0	1	1	0	0	0	3
तुला	1	0	1	1	0	1	1	0	5
वृश्चिक	1	1	1	0	1	1	1	1	7
धनु	0	1	0	1	1	1	0	0	4
मकर	1	0	0	1	1	0	0	0	3
कुंभ	1	1	1	0	1	0	0	0	4
मीन	0	0	1	1	0	0	0	1	3

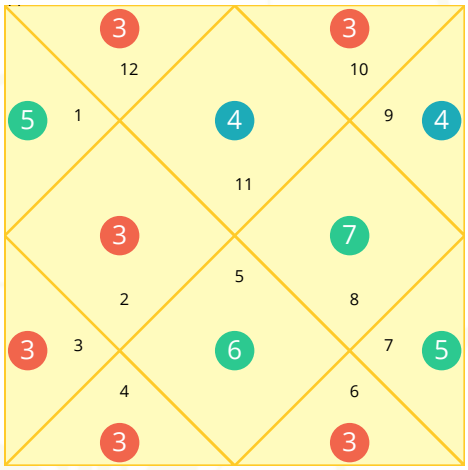

अभिप्राय

माता | मन | भावना | बुद्धि

सूचक

शुभ

अशुभ

मिश्रित

iwebnapp.com

मंगल भिन्नाष्टक वर्ग

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	लग्न	कुल
मेष	0	1	1	0	0	0	1	1	4
वृषभ	0	0	0	1	0	0	0	0	1
मिथुन	1	0	1	0	0	0	1	1	4
कर्क	0	1	1	1	1	1	0	0	5
सिंह	1	0	0	1	0	0	0	1	3
कन्या	1	0	1	0	0	1	1	0	4
तुला	0	0	0	0	0	0	0	0	0
वृश्चिक	0	0	0	0	1	0	0	1	2
धनु	0	1	1	0	1	1	1	0	5
मकर	1	0	1	1	1	1	1	0	6
कुंभ	1	0	0	0	0	0	1	0	2
मीन	0	0	1	0	0	0	1	1	3

अभिप्राय

भाई-बहन | भूमि-संपत्ति | दुर्घटना | विवाद

सूचक

- शुभ
- अशुभ
- मिश्रित

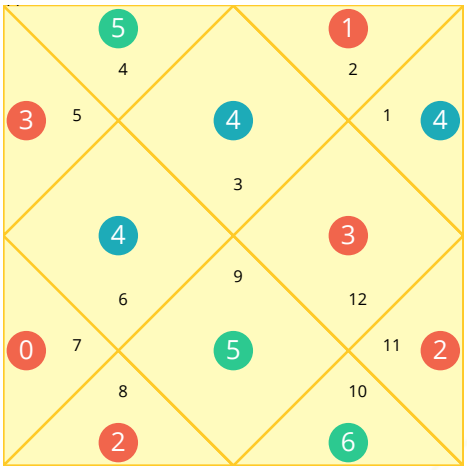

iwebnapp.com

बुध भिन्नाष्टक वर्ग

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	लग्न	कुल
मेष	0	0	1	0	0	1	1	1	4
वृषभ	0	1	0	1	0	1	0	0	3
मिथुन	0	0	1	0	0	1	1	1	4
कर्क	0	1	1	1	1	0	1	1	6
सिंह	1	0	0	1	0	0	0	0	2
कन्या	1	1	1	0	1	1	1	1	7
तुला	0	0	0	0	0	1	0	0	1
वृश्चिक	0	1	0	1	0	0	0	1	3
धनु	1	1	1	1	1	1	1	0	7
मकर	0	0	1	1	1	0	1	1	5
कुंभ	1	0	1	1	0	1	1	0	5
मीन	1	1	1	1	0	1	1	1	7

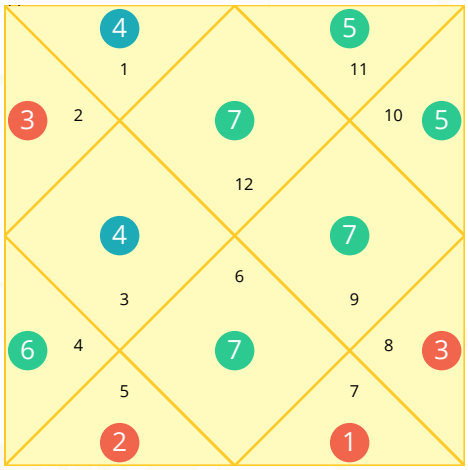

अभिप्राय

रिश्तेदार | वक्तृता | विवेकबुद्धि | शिक्षा

सूचक

- शुभ
- अशुभ
- मिश्रित

iwebnapp.com

गुरु भिन्नाष्टक वर्ग

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	लग्न	कुल
मेष	1	0	1	1	1	0	0	1	5
वृषभ	1	0	0	0	1	0	1	0	3
मिथुन	1	1	1	1	0	1	0	1	6
कर्क	1	0	1	1	0	1	0	1	5
सिंह	0	1	0	1	1	0	1	0	4
कन्या	0	0	1	0	1	0	0	1	3
तुला	1	1	0	0	0	1	1	1	5
वृश्चिक	1	0	0	1	1	1	1	1	6
धनु	1	1	1	1	1	1	0	1	7
मकर	1	0	1	1	0	0	0	0	3
कुंभ	1	0	0	0	1	0	0	1	3
मीन	0	1	1	1	1	1	0	1	6

अभिप्राय

संतान | सम्मान | धार्मिक कर्म | सीखना | भाग्य

सूचक

- शुभ
- अशुभ
- मिश्रित

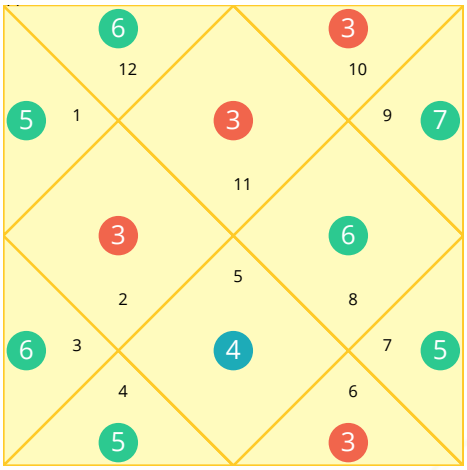

iwebnapp.com

शुक्र भिन्नाष्टक वर्ग

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	लग्न	कुल
मेष	0	1	1	0	0	1	1	1	5
वृषभ	0	1	1	1	0	1	0	0	4
मिथुन	0	1	0	0	1	1	0	1	4
कर्क	0	0	0	1	0	0	0	1	2
सिंह	0	0	1	1	0	0	1	1	4
कन्या	0	1	0	0	1	1	1	1	5
तुला	0	1	1	0	1	1	1	1	6
वृश्चिक	1	0	1	1	1	1	0	0	5
धनु	0	1	0	0	1	1	0	0	3
मकर	0	1	0	1	0	0	1	1	4
कुंभ	1	1	1	0	0	1	1	1	6
मीन	1	1	0	0	0	1	1	0	4

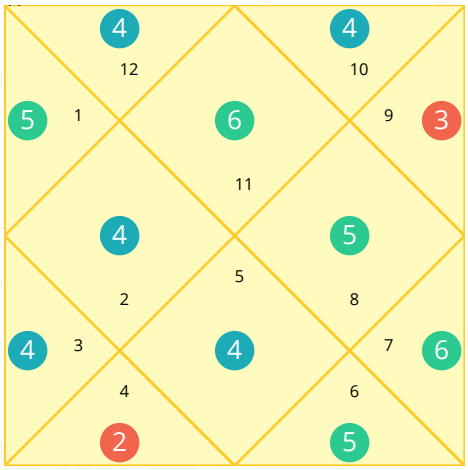

अभिप्राय

पति या पत्नी | विवाह | वाहन | आभूषण

सूचक

शुभ

अशुभ

मिश्रित

iwebnapp.com

शनि भिन्नाष्टक वर्ग

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	लग्न	कुल
मेष	1	1	1	0	0	0	1	1	5
वृषभ	1	0	1	0	0	0	0	0	2
मिथुन	0	0	0	0	1	0	0	1	2
कर्क	1	1	0	0	1	1	0	0	4
सिंह	0	0	1	1	0	0	1	1	4
कन्या	0	0	0	0	0	0	0	1	1
तुला	1	0	1	1	0	0	1	0	4
वृश्चिक	1	0	1	1	0	0	1	1	5
धनु	0	1	0	1	1	1	0	0	4
मकर	1	0	0	1	1	1	0	0	4
कुंभ	1	0	0	1	0	0	0	0	2
मीन	0	0	1	0	0	0	0	1	2

अभिप्राय

कर्मचारी | जीविका | कष्ट व शोक

सूचक

- शुभ
- अशुभ
- मिश्रित

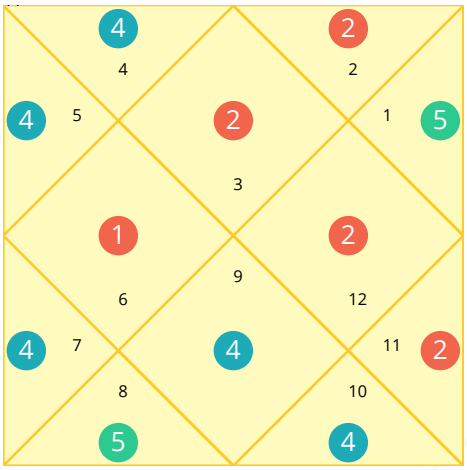

iwebnapp.com

लग्न भिन्नाष्टक वर्ग

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	लग्न	कुल
मेष	0	1	1	1	0	1	1	1	6
वृषभ	0	0	0	0	1	1	0	0	2
मिथुन	1	0	1	1	1	1	1	0	6
कर्क	1	1	0	0	1	0	0	0	3
सिंह	0	0	1	1	1	0	1	1	5
कन्या	1	0	0	0	0	1	1	0	3
तुला	0	0	0	1	1	1	0	0	3
वृश्चिक	0	1	1	0	1	0	1	1	5
धनु	0	1	0	1	1	0	0	0	3
मकर	1	1	0	1	0	0	0	0	3
कुंभ	1	0	0	0	1	1	0	0	3
मीन	1	0	1	1	1	1	1	1	7

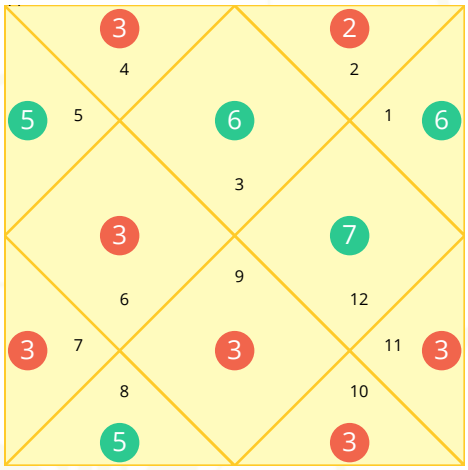

सूचक

- शुभ
- अशुभ
- मिश्रित

iwebnapp.com

सर्वाष्टक वर्ग

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	लग्न	कुल
मेष	5	5	4	4	5	5	5	0	33
वृषभ	3	3	1	3	3	4	2	0	19
मिथुन	3	3	4	4	6	4	2	0	26
कर्क	7	3	5	6	5	2	4	0	32
सिंह	3	6	3	2	4	4	4	0	26
कन्या	3	3	4	7	3	5	1	0	26
तुला	2	5	0	1	5	6	4	0	23
वृश्चिक	4	7	2	3	6	5	5	0	32
धनु	6	4	5	7	7	3	4	0	36
मकर	5	3	6	5	3	4	4	0	30
कुंभ	4	4	2	5	3	6	2	0	26
मीन	3	3	3	7	6	4	2	0	28

सूचक

- शुभ
- अशुभ
- मिश्रित

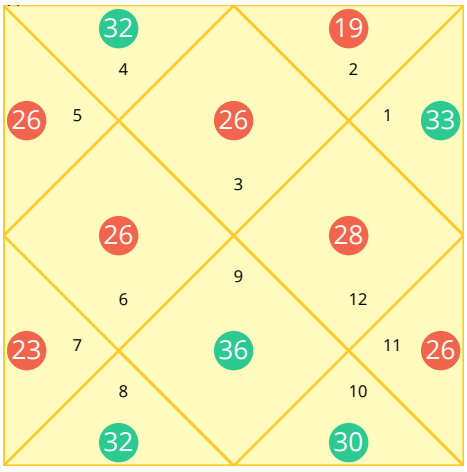

iwebnapp.com

विम्शोत्तरी दशा - I

राहु

01-01-1964 03:12
31-12-1981 15:12

राहु	13-09-1966 07:24
गुरु	05-02-1969 21:48
शनि	13-12-1971 20:54
बुध	02-07-1974 06:12
केतु	20-07-1975 18:30
शुक्र	20-07-1978 12:30
सूर्य	14-06-1979 05:54
चन्द्र	13-12-1980 02:54
मंगल	31-12-1981 15:12

गुरु

31-12-1981 15:12
31-12-1997 15:12

गुरु	18-02-1984 20:00
शनि	01-09-1986 03:12
बुध	07-12-1988 00:48
केतु	12-11-1989 22:24
शुक्र	13-07-1992 22:24
सूर्य	02-05-1993 03:12
चन्द्र	01-09-1994 03:12
मंगल	08-08-1995 00:48
राहु	31-12-1997 15:12

शनि

31-12-1997 15:12
31-12-2016 09:12

शनि	03-01-2001 10:15
बुध	13-09-2003 13:24
केतु	22-10-2004 09:03
शुक्र	23-12-2007 00:03
सूर्य	03-12-2008 23:45
चन्द्र	05-07-2010 07:15
मंगल	14-08-2011 02:54
राहु	20-06-2014 02:00
गुरु	31-12-2016 09:12

बुध

31-12-2016 09:12
31-12-2033 15:12

बुध	30-05-2019 00:39
केतु	26-05-2020 05:36
शुक्र	27-03-2023 02:36
सूर्य	31-01-2024 13:42
चन्द्र	02-07-2025 00:12
मंगल	29-06-2026 05:09
राहु	15-01-2029 14:27
गुरु	23-04-2031 12:03
शनि	31-12-2033 15:12

केतु

31-12-2033 15:12
31-12-2040 09:12

केतु	29-05-2034 18:39
शुक्र	29-07-2035 21:39
सूर्य	04-12-2035 17:45
चन्द्र	04-07-2036 19:15
मंगल	30-11-2036 22:42
राहु	19-12-2037 11:00
गुरु	25-11-2038 08:36
शनि	04-01-2040 04:15
बुध	31-12-2040 09:12

शुक्र

31-12-2040 09:12
31-12-2060 09:12

शुक्र	01-05-2044 21:12
सूर्य	02-05-2045 03:12
चन्द्र	31-12-2046 21:12
मंगल	02-03-2048 00:12
राहु	02-03-2051 18:12
गुरु	31-10-2053 18:12
शनि	31-12-2056 09:12
बुध	01-11-2059 06:12
केतु	31-12-2060 09:12

iwebnapp.com

विम्शोत्तरी दशा - II

सूर्य		चन्द्र		मंगल	
31-12-2060 09:12 31-12-2066 21:12		31-12-2066 21:12 31-12-2076 09:12		31-12-2076 09:12 01-01-2084 03:12	
सूर्य	19-04-2061 23:00	चन्द्र	01-11-2067 06:12	मंगल	29-05-2077 12:39
चन्द्र	19-10-2061 14:00	मंगल	01-06-2068 07:42	राहु	17-06-2078 00:57
मंगल	24-02-2062 10:06	राहु	01-12-2069 04:42	गुरु	23-05-2079 22:33
राहु	19-01-2063 03:30	गुरु	02-04-2071 04:42	शनि	01-07-2080 18:12
गुरु	07-11-2063 08:18	शनि	31-10-2072 12:12	बुध	28-06-2081 23:09
शनि	19-10-2064 08:00	बुध	01-04-2074 22:42	केतु	25-11-2081 02:36
बुध	25-08-2065 19:06	केतु	01-11-2074 00:12	शुक्र	25-01-2083 05:36
केतु	31-12-2065 15:12	शुक्र	01-07-2076 18:12	सूर्य	02-06-2083 01:42
शुक्र	31-12-2066 21:12	सूर्य	31-12-2076 09:12	चन्द्र	01-01-2084 03:12

वर्त्तमान दशा

दशा नाम	ग्रह	आरम्भ तिथि	सम्पति तिथि
महादशा	बुध	31-12-2016 09:12	31-12-2033 15:12
अंतर्दशा	बुध	31-12-2016 09:12	30-05-2019 00:39
प्रत्यंतर दशा	शनि	10-01-2019 18:00	30-05-2019 00:39
सूक्ष्म दशा	मंगल	12-04-2019 10:34	20-04-2019 13:34

*** ध्यान दें - सभी दिनांक दशा समाप्ति को दर्शाते हैं।**

iwebnapp.com

योगिनी दशा - I

धान्य (3 वर्ष)

30-7-1972 18:37
30-7-1975 18:37

धान्य	30-10-1972 2:7
भ्रामरी	28-2-1973 20:7
भद्रिका	31-7-1973 0:37
उल्का	29-1-1974 15:37
सिद्धि	30-8-1974 17:7
संकटा	1-5-1975 5:7
मंगला	31-5-1975 15:37
पिंगला	30-7-1975 18:37

भ्रामरी (4 वर्ष)

30-7-1975 18:37
30-7-1979 18:37

भ्रामरी	9-1-1976 2:37
भद्रिका	30-7-1976 0:37
उल्का	30-3-1977 12:37
सिद्धि	8-1-1978 14:37
संकटा	29-11-1978 6:37
मंगला	8-1-1979 20:37
पिंगला	31-3-1979 0:37
धान्य	30-7-1979 18:37

भद्रिका (5 वर्ष)

30-7-1979 18:37
30-7-1984 18:37

भद्रिका	9-4-1980 10:7
उल्का	7-2-1981 19:7
सिद्धि	28-1-1982 21:37
संकटा	10-3-1983 17:37
मंगला	30-4-1983 11:7
पिंगला	9-8-1983 22:7
धान्य	9-1-1984 2:37
भ्रामरी	30-7-1984 18:37

उल्का (6 वर्ष)

30-7-1984 18:37
30-7-1990 18:37

उल्का	31-7-1985 0:37
सिद्धि	30-9-1986 3:37
संकटा	30-1-1988 3:37
मंगला	31-3-1988 0:37
पिंगला	30-7-1988 18:37
धान्य	29-1-1989 9:37
भ्रामरी	29-9-1989 21:37
भद्रिका	30-7-1990 18:37

सिद्धि (7 वर्ष)

30-7-1990 18:37
30-7-1997 18:37

सिद्धि	9-12-1991 22:7
संकटा	30-6-1993 2:7
मंगला	9-9-1993 2:37
पिंगला	29-1-1994 3:37
धान्य	30-8-1994 5:7
भ्रामरी	10-6-1995 7:7
भद्रिका	30-5-1996 9:37
उल्का	30-7-1997 18:37

संकटा (8 वर्ष)

30-7-1997 18:37
30-7-2005 18:37

संकटा	11-5-1999 2:37
मंगला	31-7-1999 6:37
पिंगला	9-1-2000 14:37
धान्य	9-9-2000 2:37
भ्रामरी	30-7-2001 18:37
भद्रिका	9-9-2002 14:37
उल्का	9-1-2004 14:37
सिद्धि	30-7-2005 18:37

iwebnapp.com

योगिनी दशा - II

मंगला (1 वर्ष)

30-7-2005 18:37
30-7-2006 18:37

मंगला	9-8-2005 22:7
पिंगला	30-8-2005 5:7
धान्य	29-9-2005 15:37
भ्रामरी	9-11-2005 5:37
भद्रिका	29-12-2005 23:7
उल्का	28-2-2006 20:7
सिद्धि	10-5-2006 20:37
संकटा	30-7-2006 18:37

पिंगला (2 वर्ष)

30-7-2006 18:37
30-7-2008 18:37

पिंगला	9-9-2006 8:37
धान्य	9-11-2006 5:37
भ्रामरी	29-1-2007 9:37
भद्रिका	10-5-2007 20:37
उल्का	9-9-2007 14:37
सिद्धि	29-1-2008 15:37
संकटा	9-7-2008 23:37
मंगला	30-7-2008 18:37

धान्य (3 वर्ष)

30-7-2008 18:37
30-7-2011 18:37

धान्य	30-10-2008 2:7
भ्रामरी	28-2-2009 20:7
भद्रिका	31-7-2009 0:37
उल्का	29-1-2010 15:37
सिद्धि	30-8-2010 17:7
संकटा	1-5-2011 5:7
मंगला	31-5-2011 15:37
पिंगला	30-7-2011 18:37

भ्रामरी (4 वर्ष)

30-7-2011 18:37
30-7-2015 18:37

भ्रामरी	9-1-2012 2:37
भद्रिका	30-7-2012 0:37
उल्का	30-3-2013 12:37
सिद्धि	8-1-2014 14:37
संकटा	29-11-2014 6:37
मंगला	8-1-2015 20:37
पिंगला	31-3-2015 0:37
धान्य	30-7-2015 18:37

भद्रिका (5 वर्ष)

30-7-2015 18:37
30-7-2020 18:37

भद्रिका	9-4-2016 10:7
उल्का	7-2-2017 19:7
सिद्धि	28-1-2018 21:37
संकटा	10-3-2019 17:37
मंगला	30-4-2019 11:7
पिंगला	9-8-2019 22:7
धान्य	9-1-2020 2:37
भ्रामरी	30-7-2020 18:37

उल्का (6 वर्ष)

30-7-2020 18:37
30-7-2026 18:37

उल्का	31-7-2021 0:37
सिद्धि	30-9-2022 3:37
संकटा	30-1-2024 3:37
मंगला	31-3-2024 0:37
पिंगला	30-7-2024 18:37
धान्य	29-1-2025 9:37
भ्रामरी	29-9-2025 21:37
भद्रिका	30-7-2026 18:37

iwebnapp.com

योगिनी दशा - III

सिद्धि (7 वर्ष)

30-7-2026 18:37
30-7-2033 18:37

सिद्धि	9-12-2027 22:7
संकटा	30-6-2029 2:7
मंगला	9-9-2029 2:37
पिंगला	29-1-2030 3:37
धान्य	30-8-2030 5:7
भ्रामरी	10-6-2031 7:7
भद्रिका	30-5-2032 9:37
उल्का	30-7-2033 18:37

संकटा (8 वर्ष)

30-7-2033 18:37
30-7-2041 18:37

संकटा	11-5-2035 2:37
मंगला	31-7-2035 6:37
पिंगला	9-1-2036 14:37
धान्य	9-9-2036 2:37
भ्रामरी	30-7-2037 18:37
भद्रिका	9-9-2038 14:37
उल्का	9-1-2040 14:37
सिद्धि	30-7-2041 18:37

मंगला (1 वर्ष)

30-7-2041 18:37
30-7-2042 18:37

मंगला	9-8-2041 22:7
पिंगला	30-8-2041 5:7
धान्य	29-9-2041 15:37
भ्रामरी	9-11-2041 5:37
भद्रिका	29-12-2041 23:7
उल्का	28-2-2042 20:7
सिद्धि	10-5-2042 20:37
संकटा	30-7-2042 18:37

पिंगला (2 वर्ष)

30-7-2042 18:37
30-7-2044 18:37

पिंगला	9-9-2042 8:37
धान्य	9-11-2042 5:37
भ्रामरी	29-1-2043 9:37
भद्रिका	10-5-2043 20:37
उल्का	9-9-2043 14:37
सिद्धि	29-1-2044 15:37
संकटा	9-7-2044 23:37
मंगला	30-7-2044 18:37

*** ध्यान दें - सभी दिनांक दशा समाप्ति को दर्शाते हैं।**

iwebnapp.com

चर दशा

मिथुन (9 वर्ष)

18-4-1974
18-4-1983

वृष	18-6-1992
मिथुन	18-8-1992
कर्क	18-10-1992
सिंह	18-12-1992
कन्या	18-2-1993
तुला	18-4-1993
वृश्चिक	18-6-1993
धनु	18-8-1993
मकर	18-10-1993
कुम्भ	18-12-1993
मीन	18-2-1994
मेष	18-4-1994

वृष (9 वर्ष)

18-4-1983
18-4-1992

वृष	18-6-1974
मिथुन	18-8-1974
कर्क	18-10-1974
सिंह	18-12-1974
कन्या	18-2-1975
तुला	18-4-1975
वृश्चिक	18-6-1975
धनु	18-8-1975
मकर	18-10-1975
कुम्भ	18-12-1975
मीन	18-2-1976
मेष	18-4-1976

मेष (2 वर्ष)

18-4-1992
18-4-1994

वृष	18-6-1974
मिथुन	18-8-1974
कर्क	18-10-1974
सिंह	18-12-1974
कन्या	18-2-1975
तुला	18-4-1975
वृश्चिक	18-6-1975
धनु	18-8-1975
मकर	18-10-1975
कुम्भ	18-12-1975
मीन	18-2-1976
मेष	18-4-1976

मीन (1 वर्ष)

18-4-1994
18-4-1995

वृष	18-6-1974
मिथुन	18-8-1974
कर्क	18-10-1974
सिंह	18-12-1974
कन्या	18-2-1975
तुला	18-4-1975
वृश्चिक	18-6-1975

कुम्भ (3 वर्ष)

18-4-1995
18-4-1998

वृष	18-6-1974
मिथुन	18-8-1974
कर्क	18-10-1974
सिंह	18-12-1974
कन्या	18-2-1975
तुला	18-4-1975
वृश्चिक	18-6-1975

मकर (7 वर्ष)

18-4-1998
18-4-2005

वृष	18-6-1974
मिथुन	18-8-1974
कर्क	18-10-1974
सिंह	18-12-1974
कन्या	18-2-1975
तुला	18-4-1975
वृश्चिक	18-6-1975

iwebnapp.com

धनु	18-8-1975
मकर	18-10-1975
कुम्भ	18-12-1975
मीन	18-2-1976
मेष	18-4-1976

धनु	18-8-1975
मकर	18-10-1975
कुम्भ	18-12-1975
मीन	18-2-1976
मेष	18-4-1976

धनु	18-8-1975
मकर	18-10-1975
कुम्भ	18-12-1975
मीन	18-2-1976
मेष	18-4-1976

धनु (2 वर्ष)

18-4-2005
18-4-2007

वृष	18-6-1974
मिथुन	18-8-1974
कर्क	18-10-1974
सिंह	18-12-1974
कन्या	18-2-1975
तुला	18-4-1975
वृश्चिक	18-6-1975
धनु	18-8-1975
मकर	18-10-1975
कुम्भ	18-12-1975
मीन	18-2-1976
मेष	18-4-1976

वृश्चिक (6 वर्ष)

18-4-2007
18-4-2013

वृष	18-6-1974
मिथुन	18-8-1974
कर्क	18-10-1974
सिंह	18-12-1974
कन्या	18-2-1975
तुला	18-4-1975
वृश्चिक	18-6-1975
धनु	18-8-1975
मकर	18-10-1975
कुम्भ	18-12-1975
मीन	18-2-1976
मेष	18-4-1976

तुला (4 वर्ष)

18-4-2013
18-4-2017

वृष	18-6-1974
मिथुन	18-8-1974
कर्क	18-10-1974
सिंह	18-12-1974
कन्या	18-2-1975
तुला	18-4-1975
वृश्चिक	18-6-1975
धनु	18-8-1975
मकर	18-10-1975
कुम्भ	18-12-1975
मीन	18-2-1976
मेष	18-4-1976

कन्या (6 वर्ष)

18-4-2017
18-4-2023

वृष	18-6-1974
मिथुन	18-8-1974
कर्क	18-10-1974
सिंह	18-12-1974

सिंह (4 वर्ष)

18-4-2023
18-4-2027

वृष	18-6-1974
मिथुन	18-8-1974
कर्क	18-10-1974
सिंह	18-12-1974

कर्क (5 वर्ष)

18-4-2027
18-4-2032

वृष	18-6-1974
मिथुन	18-8-1974
कर्क	18-10-1974
सिंह	18-12-1974

iwebnapp.com

कन्या	18-2-1975	कन्या	18-2-1975	कन्या	18-2-1975
तुला	18-4-1975	तुला	18-4-1975	तुला	18-4-1975
वृश्चिक	18-6-1975	वृश्चिक	18-6-1975	वृश्चिक	18-6-1975
धनु	18-8-1975	धनु	18-8-1975	धनु	18-8-1975
मकर	18-10-1975	मकर	18-10-1975	मकर	18-10-1975
कुम्भ	18-12-1975	कुम्भ	18-12-1975	कुम्भ	18-12-1975
मीन	18-2-1976	मीन	18-2-1976	मीन	18-2-1976
मेष	18-4-1976	मेष	18-4-1976	मेष	18-4-1976

*** ध्यान दें - सभी दिनांक दशा समाप्ति को दर्शाते हैं।**

iwebnapp.com

कालसर्प दोष

जब किसी व्यक्ति की कुंडली में राहु और केतू ग्रहों के बीच अन्य सभी ग्रह आ जाते हैं तो कालसर्प दोष का निर्माण होता है। क्योकि कुंडली के एक भाव में राहु और दूसरे भाव में केतु के बैठे होने से अन्य सभी ग्रहों से आ रहे फल रुक जाते हैं। इन दोनों ग्रहों के बीच में सभी ग्रह फँस जाते हैं और यह जातक के लिए एक समस्या बन जाती है। इस दोष के कारण फिर काम में बाधा, नौकरी में रुकावट, शादी में देरी और धन संबंधित परेशानियाँ, उत्पन्न होने लगती हैं।

कालसर्प योग वाले सभी जातकों पर इस योग का समान प्रभाव नहीं पड़ता। किस भाव में कौन सी राशि अवस्थित है और उसमें कौन-कौन ग्रह कहां बैठे हैं और उनका बलाबल कितना है - इन सब बातों का भी संबंधित जातक पर भरपूर असर पड़ता है। इसलिए मात्र कालसर्प योग सुनकर भयभीत हो जाने की जरूरत नहीं बल्कि उसका ज्योतिषीय विश्लेषण करवाकर उसके प्रभावों की विस्तृत जानकारी हासिल कर लेना ही बुद्धिमत्ता कही जायेगी। कालसर्प दोष कुंडली में ख़राब अवश्य माना जाता है किन्तु विधिवत तरह से यदि इसका उपाय किया जाए तो यही कालसर्प दोष सिद्ध योग भी बन सकता है।

अनन्त	कुलिक	वासुकी	शंखपाल
पद्म	महापद्म	तक्षक	कर्कोटक
शंखचूड़	घातक	विषधर	शेषनाग

आपके जन्मपत्रिका में कालसर्पदोष

!!

आपकी जन्मपत्रिका में कालसर्प दोष नहीं है।

कालसर्प नाम

नहीं

दिशा

--

iwebnapp.com

कालसर्प दोष का प्रभाव

सामान्यतः काल सर्प दोष/योग जीवन के सभी पहलुओं में संघर्ष देता है, फिर चाहे वह स्वास्थ्य, धन, करियर, व्यवसाय, प्रेम, विवाह, संतान तथा जीवन से संबंधित कई अन्य मामलें हों । परन्तु, जातक की कुंडली में उपस्थित काल सर्प दोष/योग के सटीक प्रभाव को जानना अति आवश्यक है । क्या यह दोष/योग स्वास्थ्य, धन, कैरियर, व्यवसाय, प्रेम, विवाह, संतति या हमारे जीवन से संबंधित अन्य चीजों में बुरा प्रभाव और संघर्ष दे रहा है? यह आप कैसे जान सकते हैं ?

इसका निर्णय जन्म कुंडली के विभिन्न भावों में राहु तथा केतु की स्तिथि को जानकर हो सकता है । उद्धारणार्थ, यदि राहु लग्न में और केतु सप्तम भाव में स्तिथ हों तो व्यक्ति को स्वास्थ्य और धन में कठिनाइयों आ सकती हैं क्योंकि प्रथम भाव जातक की सेहत तथा जीवन संघर्ष का सूचक है । उसी प्रकार, यदि राहु द्वितीय भाव में हो तो व्यक्ति को उसी भाव से सम्बंधित मामलों जैसे पारिवारिक रिश्तों तथा धन प्राप्ति में संघर्ष और कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है । तो इस प्रकार, जन्म कुंडली के बारह भावों में बन रहे काल सर्प दोष/योग के प्रभावों के अंकन से बारह प्रकार के काल सर्प दोष/योग बनते हैं ।

कालसर्प दोष के उपाय

- कालसर्प दोष के निम्नलिखित उपाय हैं -

- कालसर्प दोष निवारण यंत्रा घर में स्थापित करके, इसका नियमित पूजन करें।

- हनुमान चालीसा का 108 बार पाठ करें।

- गृह में मयूर (मोर) पंख रखें ।

- शुभ मुहूर्त में बहते पानी में कोयला तीन बार प्रवाहित करें।

- विद्यार्थीजन सरस्वती जी के बीज मंत्रों का एक वर्ष तक जाप करें और विधिवत उपासना करें।

- राहु की दशा आने पर प्रतिदिन एक माला राहु मंत्रा का जाप करें और जब जाप की संख्या 18 हजार हो जाये तो राहु की मुख्य समिधा दुर्वा से पूर्णाहुति हवन कराएं और किसी गरीब को उड़द व नीले वस्त्रा का दान करें

- महामृत्युंजय मंत्रों का जाप प्रतिदिन 11 माला रोज करें, जब तक राहु केतु की दशा-अंर्तदशा रहे और हर शनिवार को श्री शनिदेव का तैलाभिषेक करें और मंगलवार को हनुमान जी को चौला चढ़ायें।

- शुभ मुहूर्त में सर्वतोभद्रमण्डल यंत्रा को पूजित कर धारण करें।

- श्रावणमास में 30 दिनों तक महादेव का अभिषेक करें।

- एक वर्ष तक गणपति अथर्वशीर्ष का नित्य पाठ करें।

- श्रावण के महीने में प्रतिदिन स्नानोपरांत 11 माला 'नमः शिवाय' मंत्रा का जप करने के उपरांत शिवजी को बेलपत्रा व गाय का दूध तथा गंगाजल

iwebnapp.com

चढ़ाएं तथा सोमवार का व्रत करें।

iwebnapp.com

मांगलिक दोष क्या होता है

जिस जातक की जन्म कुंडली, लग्न/चंद्र कुंडली आदि में मंगल ग्रह, लग्न से प्रथम, चतुर्थ, सप्तम, अष्टम तथा द्वादश भावों में से कहीं भी स्थित हो, तो उसे मांगलिक कहते हैं।

कुण्डली में जब लग्न भाव, चतुर्थ भाव, सप्तम भाव, अष्टम भाव और द्वादश भाव में मंगल स्थित होता है तब कुण्डली में मंगल दोष माना जाता है। सप्तम भाव से हम दाम्पत्य जीवन का विचार करते हैं। अष्टम भाव से दाम्पत्य जीवन के मांगलीक सुख को देखा जाता है। मंगल लग्न में स्थित होने से सप्तम भाव और अष्टम भाव दोनों भावों को दृष्टि देता है। चतुर्थ भाव में मंगल के स्थित होने से सप्तम भाव पर मंगल की चतुर्थ पूर्ण दृष्टि पड़ती है। द्वादश भाव में यदि मंगल स्थित है तब अष्टम दृष्टि से सप्तम भाव को देखता है।

मूल रूप से मंगल की प्रकृति के अनुसार ऐसा ग्रह योग हानिकारक प्रभाव दिखाता है, लेकिन वैदिक पूजा-प्रक्रिया के द्वारा इसकी भीषणता को नियंत्रित कर सकते है। मंगल ग्रह की पूजा के द्वारा मंगल देव को प्रसन्न किया जाता है, तथा मंगल द्वारा जनित विनाशकारी प्रभावों, सर्वारिष्ट को शांत व नियंत्रित कर सकारात्मक प्रभावों में वृद्धि की जा सकती है।

लग्ने व्यये सुखे वापि सप्तमे वा अष्टमे कुजे |
शुभ दृग् योग हीने च पतिं हन्ति न संशयम् ||

मांगलिक विश्लेषण

कुल मांगलिक प्रतिशत	26.75%

मांगलिक फल

कुंडली में मांगलिक दोष है और प्रभावी है, मिलान के समय इसका ध्यान रखे। आप मांगलिक हैं ।

iwebnapp.com

मांगलिक विश्लेषण - II

भाव के आधार पर

लग्न भाव में मंगल अवस्थित है।

शनि लग्न भाव में आपके कुंडली में स्थित है।

केतु आपके कुंडली में द्वादश भाव में है।

दृष्टि के आधार पर

राहु की दृष्टि आपके कुडंली के द्वितीय भाव पर पड़ रही है।

आपके कुंडली के द्वादश भाव को राहु देख रहा है।

मंगल , आपके कुंडली के अष्टम भाव को देख रहा है।

केतु , आपके कुंडली के अष्टम भाव को देख रहा है।

सप्तम भाव मंगल से दृष्ट है।

सप्तम भाव शनि से दृष्ट है।

आपके कुंडली का चतुर्थ भाव मंगल से दृष्ट है।

आपके कुंडली का चतुर्थ भाव केतु से दृष्ट है।

सूर्य , आपके कुंडली के पंचम भाव को देख रहा है।

मांगलिक दोष के उपाय

- चांदी की चौकोर डिब्बी में शहद भरकर हनुमान मंदिर या किसी निर्जन वन, स्थान में रखने से मंगल दोष शांत होता है |

- मंगलवार को सुन्दरकाण्ड एवं बालकाण्ड का पाठ करना लाभकारी होता है |

- बंदरों व कुत्तों को गुड व आटे से बनी मीठी रोटी खिलाएं |

- मंगल चन्द्रिका स्तोत्र का पाठ करना भी लाभ देता है |

- माँ मंगला गौरी की आराधना से भी मंगल दोष दूर होता है |

- कार्तिकेय जी की पूजा से भी मंगल दोष के दुशप्रभाव में लाभ मिलता है |

- मंगलवार को बताशे व गुड की रेवड़ियाँ बहते जल में प्रवाहित करें |

- मंगली कन्यायें गौरी पूजन तथा श्रीमद्भागवत के 18 वें अध्याय के नवें श्लोक का जप अवश्य करें |

iwebnapp.com

साढ़ेसाती क्या होता है

ज्योतिषशास्त्र के अनुसार साढ़े साती तब बनती है जब शनि गोचर में जन्म चन्द्र से प्रथम, द्वितीय और द्वादश भाव से गुजरता है। शनि एक राशि से गुजरने में ढ़ाई वर्ष का समय लेता है इस तरह तीन राशियों से गुजरते हुए यह साढ़े सात वर्ष का समय लेता है जो साढ़े साती कही जाती है। सामान्य अर्थ में साढ़े साती का अर्थ हुआ सात वर्ष छ: मास।

साढ़े साती के समय व्यक्ति को कठिनाईयों एवं परेशानियों का सामना करना होता है परंतु इसमें घबराने वाली बात नहीं हैं। इसमे कठिनाई और मुश्किल हालत जरूर आते हैं परंतु इस दौरान व्यक्ति को कामयाबी भी मिलती है। बहुत से व्यक्ति साढ़े साती के प्रभाव से सफलता की उंचाईयों पर पहुंच जाते हैं। साढ़े साती व्यक्ति को कर्मशील बनाता है और उसे कर्म की ओर ले जाता है। हठी, अभिमानी और कठोर व्यक्तियों से यह काफी मेहनत करवाता है।

क्या आप साढ़ेसाती में है

नहीं, आप पर इस समय साढ़ेसाती का प्रभाव नहीं है।

विचार करने का दिनाकं	17-4-2019
शनि राशि	धनु
चंद्र राशि	कुम्भ
वक्री शनि ?	नहीं

iwebnapp.com

चंद्र राशि	शनि राशि	वक्री शनि	चरण प्रकार	दिनांक	संक्षिप्त विवरण
कुम्भ	मकर	--	उदय प्रारम्भ	21-3-1990	
कुम्भ	मकर	हाँ	उदय समाप्त	20-6-1990	
कुम्भ	मकर	--	उदय प्रारम्भ	15-12-1990	
कुम्भ	कुम्भ	--	शिखर प्रारम्भ	5-3-1993	
कुम्भ	कुम्भ	हाँ	उदय प्रारम्भ	15-10-1993	
कुम्भ	कुम्भ	--	शिखर प्रारम्भ	10-11-1993	
कुम्भ	मीन	--	अस्त प्रारम्भ	2-6-1995	
कुम्भ	मीन	हाँ	शिखर प्रारम्भ	10-8-1995	
कुम्भ	मीन	--	अस्त प्रारम्भ	16-2-1996	
कुम्भ	मेष	--	अस्त समाप्त	17-4-1998	
कुम्भ	मकर	--	उदय प्रारम्भ	24-1-2020	
कुम्भ	कुम्भ	--	शिखर प्रारम्भ	29-4-2022	
कुम्भ	कुम्भ	हाँ	उदय प्रारम्भ	12-7-2022	
कुम्भ	कुम्भ	--	शिखर प्रारम्भ	17-1-2023	
कुम्भ	मीन	--	अस्त प्रारम्भ	29-3-2025	
कुम्भ	मेष	--	अस्त समाप्त	3-6-2027	
कुम्भ	मेष	हाँ	अस्त प्रारम्भ	19-10-2027	
कुम्भ	मेष	हाँ	अस्त प्रारम्भ	20-10-2027	
कुम्भ	मेष	हाँ	अस्त प्रारम्भ	21-10-2027	
कुम्भ	मेष	--	अस्त समाप्त	23-2-2028	
कुम्भ	मकर	--	उदय प्रारम्भ	6-3-2049	
कुम्भ	मकर	हाँ	उदय समाप्त	9-7-2049	
कुम्भ	मकर	--	उदय प्रारम्भ	4-12-2049	
कुम्भ	कुम्भ	--	शिखर प्रारम्भ	25-2-2052	

iwebnapp.com

चंद्र राशि	शनि राशि	वक्री शनि	चरण प्रकार	दिनांक	संक्षिप्त विवरण
कुम्भ	मीन	--	अस्त प्रारम्भ	14-5-2054	
कुम्भ	मीन	हाँ	शिखर प्रारम्भ	2-9-2054	
कुम्भ	मीन	--	अस्त प्रारम्भ	5-2-2055	
कुम्भ	मेष	--	अस्त समाप्त	7-4-2057	

iwebnapp.com

साढ़े सती उपाय

- साढ़ेसाती के अनिष्ट प्रभावों को काम करने के उपाय निम्नलिखित है -

- साढ़े साती की परेशानी से बचने के लिए नियमित हनुमान चालीसा का पाठ करना चाहिए।

- इस ग्रह दशा से बचने के लिए काले घोड़े की नाल की अंगूठी बनाकर उसे दाएं हाथ की मध्यमा उंगली में पहनना चाहिए।

- शनि देव को शनिवार के दिन सरसों का तेल और तांबा भेट करना चाहिए।

- किसी गरीब व्यक्ति को काले कंबल का दान करें।

- शिवलिंग पर काले तिल अर्पित करें और जल चढ़ाएं।

- हर मंगलवार और शनिवार ऊँ रामदूताय नमः मंत्र का जप करें। मंत्र जप की संख्या कम से कम 108 करे।

- धार्मिक आचरण बनाए रखें और किसी का अनादर न करें।

- हर शनिवार को शनि के निमित्त तेल का दान करें। तेल दान करने से पहले तेल में अपना चेहरा देख लेना चाहिए। यह उपाय हर शनिवार किया जाना चाहिए।

- शनि बीज मंत्र - ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः प्रतिदिन 108 बार अवश्य करें

- शनि प्रकोप से मुक्ति के लिए सुंदर काण्ड का नियमित पाठ अवश्य करें।

- रोटी में तेल लगाकर कुत्ते या कौए को खिलाएं।

iwebnapp.com

रत्न उपाय विचार

वैदिक ज्योतिष के अनुसार ग्रहों से सूक्ष्म ऊर्जाओं का उत्सर्जन होता है, जिनका हमारी जन्म कुंडली में ग्रहों की स्तिथि के अनुसार, हमारे जीवन पर प्रतिवर्ती हितकारी अथवा अनिष्टकारी प्रभाव पड़ते हैं । प्रत्येक ग्रह का अपना एक अनूठा तत्सम्बन्धित ज्योतिषीय रत्न होता है जो उसी ग्रह के अनुरूप ब्रह्मांडीय वर्ण-ऊर्जा का प्रसार करता है । रत्न सकारात्मक किरणों के प्रतिबिंब या नकारात्मक किरणों के अवशोषण द्वारा अपना कार्य करते हैं । ये रत्न केवल सकारात्मक स्पंदनों को ही शरीर में प्रवेश करने देते हैं; इस कारण उपयुक्त रत्न पहनाने से उसके धारण कर्ता पर सम्बंधित ग्रह के लाभदायक प्रभाव को बढ़ाया जा सकता है ।

जीवन रत्न

पन्ना

लग्न, शरीर और शरीर से संबंधित सभी बातों का - जैसे स्वास्थ्य, दीर्घायु, नाम, प्रतिष्ठा, जीवन-उद्देश्य आदि का प्रतीक होता है। संक्षेप में, इस में पूरे जीवन का सार समाया है । इसलिए लग्न के स्वामी अर्थात लग्नेश से संबंधित रत्न को जीवन रत्न कहा जाता है । इस रत्न के गुणों तथा शक्तियों का पूरा लाभ उठाने के लिए इसे आजीवन पहना जा सकता है और पहनना भी चाहिए ।

कारक रत्न

हीरा

जन्म कुंडली का पंचम भाव भी एक शुभ भाव है। पांचवा भाव बुद्धि, उच्च शिक्षा, संतान, अप्रत्याशित धन-प्राप्ति आदि का द्योतक है। इस भाव को 'पूर्व पुण्य कर्मों' का अर्थात पिछले जन्मों के अच्छे कर्मों का स्थान भी माना जाता है । इसी कारण इसे शुभ भाव कहते हैं । पंचम भाव के स्वामी से सम्बंधित रत्न को कारक रत्न कहा जाता है।

भाग्य रत्न

नीलम

जन्म-कुंडली के नवम भाव को भाग्य या प्रारब्ध का स्थान कहा जाता है । यह भाव भाग्य, सफलता, ज्ञान, गुणदोष और उपलब्धियों आदि का द्योतक है । यह भाव व्यक्ति द्वारा पिछले जन्मों में किए गए अच्छे कर्मों के कारण प्राप्त होने वाले फल स्वरूप आनंद की ओर संकेत करता है । नवम भाव के स्वामी से सम्बंधित रत्न को भाग्य रत्न कहते हैं । इस रत्न को धारण करने से भाग्य में वृद्धि होती है ।

iwebnapp.com

जीवन रत्न - पन्ना

विकल्प	हरा गोमेद	दिन	बुधवार
उंगली	कनिष्ठा	अधिदेवता	बुद्ध
भार	4 - 6.25 कैरेट	धातु	स्वर्ण

विवरण

पन्ना का स्वामी ग्रह बुध है । पन्ना धारण करने से अच्छे स्वास्थ्य, बलवान शरीर, धन, संपत्ति और अच्छी नेत्र दृष्टि की प्राप्ति होती है । यह दुष्ट आत्माओं, सर्प दंश और बुरी नज़र से कुप्रभावों से बचाता है। पन्ना मिर्गी एवं पागलपन के इलाज और बुरे स्वप्नों से संरक्षण में भी सहायक है ।

भार व धातु

पन्ना का वजन ३ कैरेट से अधिक होना चाहिए । इसे सोने की अंगूठी में जड़ा जाना चाहिए । अंगूठी की बनावट इस प्रकार की हो कि रत्न त्वचा को छू सके ।

पहनने का समय

पन्ना रत्न चंद्रमास के शुक्ल पक्ष के किसी भी बुधवार को सूर्योदय के दो घंटे बाद धारण किया जा सकता है ।

मंत्र

प्राण प्रतिष्ठा के पश्चात इस रत्न की फूलों और धूप-बत्ती के साथ पूजा करें । पन्ना धारण करने के लिए निम्नलिखित मंत्र का १०८ बार जाप करें

ॐ ब्रां ब्रीं सः बुधाय नमः

प्राण प्रतिष्ठा

पन्ना की अंगूठी पहनने से पहले, इसे कच्चे दूध या गंगा जल में कुछ समय के लिए डुबो कर रखें ।

उंगली

मंत्र जाप के बाद, पन्ना की अंगूठी को दाहिने हाथ की कनिष्ठा अर्थात छोटी उंगली में धारण करें ।

विकल्प

पन्ना के स्थान पर अक्वामरीन (हरित नील), पेरिडोट, हरा जिक्रोन, ग्रीन एगेट या हरा जेड(हरिताश्म) जैसे विभिन्न विकल्प रत्न भी उपयोग में लाये जा सकते हैं ।

सावधानी

ध्यान रहें कि पन्ना को लाल मूंगा, मोती, पुखराज और उनके विकल्प रत्नों के साथ नहीं पहना जाना चाहिए।

iwebnapp.com

कारक रत्न - हीरा

विकल्प	ओपल / जिरकॉन	दिन	शुक्रवार
उंगली	कनिष्ठा	अधिदेवता	शुक्र
भार	1 - 4.25 कैरेट	धातु	चांदी

विवरण

हीरा रत्न का स्वामी ग्रह शुक्र है । हीरा धारण करने से धैर्य, सफलता, धन, समृद्धि, निर्मलता की प्राप्ति होती है । हीरा धारण करने वाला व्यक्ति निडर, बुद्धिमान और शिष्ट होता है। हीरा पहनने से धारक धार्मिक शास्त्रों में प्रवीण बनाता है। यह रत्न बुरी आत्माओं के हानिकारक प्रभावों और साँप के दंश से भी संरक्षण करता है।

भार व धातु

वजन में १-१/२ कैरेट का दोषरहित हीरा पहनना चाहिए । इसे प्लटिनम या चांदी की अंगूठी में जड़ा जाना चाहिए । अंगूठी की बनावट इस प्रकार की हो कि रत्न त्वचा को छू सके ।

पहनने का समय

हीरा को शुक्ल पक्ष के किसी भी शुक्रवार को सूर्योदय के बाद धारण किया जा सकता है ।

मंत्र

प्राण प्रतिष्ठा के पश्चात इस रत्न की फूलों और धूप-बत्ती के साथ पूजा करें । हीरा धारण करने के लिए निम्नलिखित मंत्र का १०८ बार जाप करें

ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः

प्राण प्रतिष्ठा

हीरे की अंगूठी पहनने से पहले, इसे कच्चे दूध या गंगा जल में कुछ समय के लिए डुबो कर रखें।

उंगली

मंत्र जाप के बाद, हीरा को दाहिने हाथ की छोटी उंगली अर्थात कनिष्ठा में धारण किया जा सकता है ।

विकल्प

हीरा के स्थान पर सफेद नीलम, सफेद जिक्रोन और सफेद तूरमली आदि विकल्प रत्नों को भी धारण किया सकता है ।

सावधानी

हीरा को माणिक, मोती, लाल मूंगा और पुखराज के साथ नहीं पहना जाना चाहिए।

iwebnapp.com

भाग्य रत्न - नीलम

विकल्प	नीली	दिन	शनिवार
उंगली	मध्यमिका	अधिदेवता	शनि
भार	3 - 4.25 कैरेट	धातु	चांदी

विवरण

नीलम रत्न का स्वामी ग्रह शनि है । नीलम धारण करने से स्वास्थ्य, धन, दीर्घायु, सुख, समृद्धि, नाम और यश की प्राप्ति होती है ।

भार व धातु

वजन में कम से कम ५ कैरेट का दोषरहित नीलम पहनना चाहिए । इसे स्टील या अष्ट धातु से बनी अंगूठी में जड़ा जाना चाहिए । अंगूठी की बनावट इस प्रकार की हो कि रत्न त्वचा को छू सके ।

पहनने का समय

नीलम रत्न को किसी भी शनिवार को सूर्यास्त से दो घंटे पहले धारण किया जा सकता है ।

मंत्र

प्राण प्रतिष्ठा के पश्चात इस रत्न की फूलों और धूप-बत्ती के साथ पूजा करें । नीलम धारण करने के लिए निम्नलिखित मंत्र का १०८ बार जाप करें

ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः

प्राण प्रतिष्ठा

अंगूठी पहनने से पहले, इसे कच्चे दूध या गंगा जल में कुछ समय के लिए डुबो कर रखें ।

उंगली

मंत्र जाप के बाद, नीलम को मध्यमा अर्थात बीच की अंगुली में धारण किया जा सकता है ।

विकल्प

नीलम के स्थान पर नीला जिक्रोन, जामुनिया, नीली तूरमुली, लाजावर्द, ब्लू स्पिनल और नीली जैसे विभिन्न विकल्प रत्न भी उपयोग में लाये जा सकते हैं ।

सावधानी

ध्यान रहें कि नीलम को माणिक, मोती, लाल मूंगा और उनके विकल्प रत्नों के साथ नहीं पहना जाना चाहिए।

iwebnapp.com

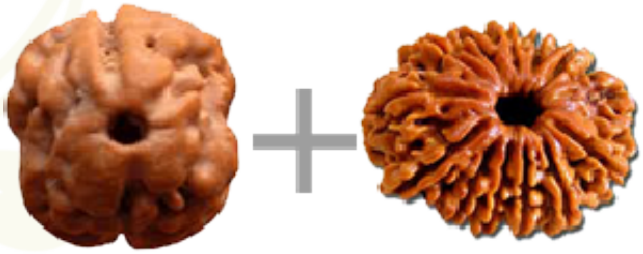

दो + तेरह मुखी रुद्राक्ष

आपको दो और तेरह मुखी रुद्राक्ष के संयोजन को धारण करने की सलाह दी जाती है।

.

दो मुखी रुद्राक्ष का स्वामी ग्रह चंद्रमा है। यह चंद्रमा के दुष्प्रभाव और बायीं आंख, गुर्दा, आंतों की बीमारियों को नियंत्रित करता है। यह मन को स्थिर करने में मदद करता है, और व्यक्ति को उद्देश्यपूर्ण बनाता है और व्यक्ति को दूसरा कार्य शुरू करने से पहले, पहले कार्य को पूरा करने में मदद करता है।

iwebnapp.com

शुभाशुभ अंक

7	9	4
भाग्यांक	मूलांक	नामांक

आपका नाम	Rajesh Jain
जन्म दिनांक	18-4-1974
मूलांक	9
मूलांक स्वामी	मंगल
मित्र अंक	1,2,3,6
सम अंक	4,5,8
शत्रु अंक	7
शुभ दिन	मंगलवार, बुधवार, शुक्रवार
शुभ रत्न	लाल मूंगा
शुभ उपरत्न	संगमूंगी
शुभ देवता	हनुमान
शुभ धातु	तांबा
शुभ रंग	ईंट जैसा लाल
शुभ मंत्र	|| ओम अंग अंगारकाय नमः ||

iwebnapp.com

आपके बारे में

.

आपका मूलांक नौ है । मूलांक नौ का स्वामी मंगल है । मंगल को ग्रहों का सेनापति माना गया है । अतः आपके अन्दर भी सेनापति, नायक, मुखिया, इत्यादि बनने की चाह सामाजिक क्षेत्रों में बनी रहेगी । रोजगार व्यवसाय मे एकाधिकार की प्रवृत्ति आपमें पाई जायेगी । आपके अन्दर साहस अधिक होने से आप अपने कार्यो को अदम्य साहस से करते हुये कठिनाईयों को आसानी से पार कर लेंगे । स्वभाव में तेजी रहेगी । फुर्ती एवं जल्दबाजी रहेगी । आपकी सदैव यही कोशिश रहेगी कि आप जो भी कार्य हाथ में लें वह शीघ्र समाप्त हो जाये । आपके स्वभाव में सहसीपन होने से आपको दुःसाहस के कार्यो से सदैव दूर रहना हितकारी रहेगा । आप अनुशासन प्रिय रहेंगे एवं दूसरों से अनुशासन रखने की अपेक्षा करेंगें । खुशामद एवं चापलूसी से आप प्रभावित होकर कभी--कभी नुकसान भी उठायेंगे । अतः खुशामदी एवं चापलूस व्यक्तियों से सदैव बचें । मंगल ग्रह के प्रभाव से क्रोध की मात्रा भी आपमें रहेगी । इससे आपके विरोधी उत्पन्न होंगे । शत्रुओं की संख्या कम रहेगी एवं आप में शत्रुओं को दमन करने का बल हमेशा बना रहेगा । आपके स्वभाव में सहसीपन होने से आपको दुःसाहस के कार्यो से सदैव दूर रहना हितकारी रहेगा । आप अनुशासन प्रिय रहेंगे एवं दूसरों से अनुशासन रखने की अपेक्षा करेंगें । खुशामद एवं चापलूसी से आप प्रभावित होकर कभी--कभी नुकसान भी उठायेंगे । अतः खुशामदी एवं चापलूस व्यक्तियों से सदैव बचें । मंगल ग्रह के प्रभाव से क्रोध की मात्रा भी आपमें रहेगी । इससे आपके विरोधी उत्पन्न होंगे । शत्रुओं की संख्या कम रहेगी एवं आप में शत्रुओं को दमन करने का बल हमेशा बना रहेगा । भाग्यांक दो का स्वामी चन्द्र ग्रह को माना गया है । इसके प्रभाव से आपकी कल्पनाशक्ति उन्नत किश्म की होगी । बौद्धिक स्तर आपका उच्च कोटि का रहेगा एवं बुद्धि जन्य कार्यो में आपकी विशेष अभिरुचि रहेगी । शारीरिक श्रम साध्य कार्यो में आपकी दिलचस्पी कम रहेगी । चन्द्रमा जिस तरह घटता-बढ़ता रहता है, उसी प्रकार आपके भाग्य का सितारा भी कभी तो एकदम ऊँचाइयों को प्राप्त करेगा और कभी आप एकदम घोर अंधकार में अपने आप को पायेंगे । ऐसे समय में धैर्य रखना आपके लिए अनिवार्य हो जाता है, क्योंकि आपके भाग्य का सितारा भी पुनः पूर्णिमा की तरह प्रकाशित होगा । धर्य न रखना आपकी कमजोरियों में रहेगा । भाग्य आपका बदलता रहेगा । एक स्थिर मुकाम पर कभी भी नहीं पहुँचेगा । आपको सम्पूर्ण जीवन में भाग्योदय की कुछ कमी खटकती रहेगी । आपको अधिकारियों से लाभ रहेगा तथा धन -धान्य से आप सुखी रहेंगे । आपको अपनी चलायमान प्रकृति पर नियंत्रण रखना होगा अन्यथा एक के बाद एक कार्यो को बीच में छोड़कर आगे बढने की प्रवृत्ति वश आपके कार्य देर से सफल होंगे और कभी असफल भी होंगे ।

शुभ व्रत समय

iwebnapp.com

.

मंगलवार को भौम अरिष्ट दोष निवारण हेतु व्रत करें । यह व्रत पैतालीस मंगलवार या कम से कम इक्कीस मंगलवारों को करें । लाल वस्त्र धारण करें एवं लाल वस्तुओं का दान करें । यथाशक्ति मंगल के मंत्र का मूंगे की माला पर जप करें ।

iwebnapp.com

शुभ देवता

.

आप मंगल ग्रह की उपासना करें अथवा हनुमान जी की उपासना करने से आपके सभी प्रकार के अरिष्ट दूर होंगे । आप प्रति मंगलवार एवं शनिवार को सुंदर कांड का पाठ किया करें । साथ में हनुमान जी के मंत्र का नित्य एक सौ आठ बार मूंगे की माला पर जप किया करें । हनुमान जी का मंत्र इस प्रकार है : 'हं हनुमत रुद्रात्मकाय हुं फट्। मंगलवार को एक समय भोजन करें तथा चने एवं मिष्ठान का प्रसाद हनुमान जी को अर्पण करने से आपके सभी कार्य बनेंगे ।

शुभ गायत्री मंत्र

.

आपके लिए मंगल के शुभ प्रभावों की वृद्धि हेतु, मंगल गायत्री मंत्र का प्रातः स्नान के बाद, ग्यारह, इक्कीस या एक सौ आठ बार जप करना लाभप्रद रहेगा । गायत्री मंत्र - || ॐ अंगारकाय विद्महे शक्तिहस्ताय धीमहि तन्नो भौमः प्रचोदयात् ।।

शुभ ध्यान समय

.

प्रातःकाल उठ कर आप मंगल का ध्यान करें, मन में मंगल की मूर्ति प्रतिष्ठत करें और तत्पश्चात निम्न मंत्र का पाठ करें : धरणीगर्भसंभूतं विघुत्कान्तिसमप्रभम्। कुमारं शक्तिहस्तं तं मंगलं प्रणमाम्यहम्।।

iwebnapp.com

शुभ मंत्र

.

अशुभ मंगल को अनुकूल बनाने हेतु मंगल के मंत्र का जप करना चाहिए। नित्य कम से कम एक माला एक सौ आठ जप करने से वांछित लाभ मिल जाते हैं । पूरा अनुष्ठान सौ माला का है । मंत्र जप का प्रत्यक्ष फल स्वयं देख सकेंगे । ||ॐ क्राँ क्रीं क्रौं सः भौमाय नमः।। जप संख्या १०००० ।।

आपके के लिए शुभ समय

.

मंगल दिनांक २३ मार्च से २० अप्रैल तक एवं २४ अक्टूबर से २१ नवम्बर तक पाश्च्यात मत से, सूर्य मेष तथा वृश्चिक राशि में रहता है । भारतीय मत से यह १३ अप्रैल से १२ मई एवं १४ नवम्बर से १४ दिसंबर होआ है । मेष एवं वृश्चिक मंगल की अपनी राशियां हैं । दिनांक १४ जनवरी से १३ फरवरी तक सूर्य मकर राशि में रहता है, जो मंगल कि उच्च राशि है अतः उपर्युक्त समय मूलांक ९ के लिए कोई भी नया या महत्वपूर्ण कार्य करने के लिए अधिक उपयुक्त रहता है ।

iwebnapp.com

शुभ वास्तु

.

आपके लिए दक्षिण दिशा उत्तमकारी है । अतः आपके लिए माकन या कॉम्पलेक्स वही शुभ रहेगा जो दक्षिण में स्तिथ हो। अतः आप शहर की दक्षिण दिशा या भवन की दक्षिण दिशा का चुनाव कर सकते हैं एवं रोजगार-व्यापर की बैठक भी दक्षिण दिशा में रख सकते हैं, जो आपके उज्जवल भविष्य केलिए अच्छा रहेगा । भवन के फ्लैट का क्रमांक का योग ३,६ या ९ रखना लाभप्रद रहेगा ।

iwebnapp.com

लग्न फल - मिथुन

स्वामी	बुध
प्रतीक	युगल
विशेषताएँ	वायु तत्त्व, द्विस्वभाव, पश्चिम
भाग्यशाली रत्न	पन्ना
व्रत का दिन	पूर्णिमा

देहं रूपं च ज्ञानं च वर्णं चैव बलाबलम् |
सुखं दुःखं स्वभावञ्च लग्नभावान्निरीक्षयेत ||

मिथुन राशि के व्यक्ति मित्रवत, अपनी बात को दूसरों तक पहुँचाने में कुशल, मिलनसार, अस्थिरचित्त, अनिश्चित,एक समय पर एक साथ दो या अधिक कार्यों में रुचि लेने वाले, हाज़िर जवाब,बुद्धिमान , मानसिक रूप से अधिक सक्रिय ,अति-भावुक ,थोड़े तुनकमिज़ाज अशांत या घबरा जाने वाले , वाचाल , अगंभीर और हमेशा कुछ अलग करने के लिए तैयार रहने वाले होते हैं ।

मिथुन राशि दो जुड़वाँ बच्चों का प्रतिनिधित्व करती है,इसलिए आपके व्यक्तित्व के भी दो अलग अलग पक्ष हो सकते हैं । आप जो पहले से ही जानते हैं और उससे अधिक सीखने के लिए आपको यह बात लोगों तक पहुचाने की प्रबल आवश्यकता है।

> " आप पढ़ने और यात्रा करने में आनंद लेते हैं और इन दोनों कार्यों में नवीनतम ज्ञान प्राप्ति की ढेरों संभावनाएं हैं । आपको विविधता पसंद है और ऐसा हो सकता है कि आप सभी कार्यों में थोड़े थोड़े निपुण हों लेकिन किसी भी कार्य में पूर्णतः प्रवीण ना हों।

आपका रुझान विस्तृत रूप से बातों के विस्तार में होगा लेकिन आप उनकी गहराई में जाने का प्रयत्न नहीं करेंगे । आप उपर से आत्मविश्वासपूर्ण दिखाई दे सकते हैं, लेकिन आप में आत्मविश्वास और आंतरिक स्थिरता की कमी हो सकती है ।

iwebnapp.com

आप को बोलना अच्छा लगता है ,अपने मुँह से और साथ ही हाथों के इस्तेमाल से ।

> " मिथुन राशि का स्वामी है बुध, इसलिए बुध आपकी कुंडली में महत्वपूर्ण होगा ।

सीखने के लिए आध्यात्मिक सबक

नियंत्रण: (सीखना और ऊर्जा बर्बाद करने की अपेक्षा उसकी प्राथमिकता को जानें)

सकारात्मक लक्षण

प्रज्ञात्मक | योजनाकार | बहुमुखी अनुकूलनीय | तार्किक

नकारात्मक लक्षण

ढुलमुल मन | अधीर | गपशप करना | तिकड़मबाज

iwebnapp.com

आपकी कुंडली में ग्रहों का विश्लेषण

ज्योतिष के अनुसार सूर्य को सबसे शक्तिशाली ग्रह माना जाता है, यह जीवन का स्रोत है।सूर्य को स्वास्थ्य, जीवन शक्ति, ऊर्जा, शक्ति, पिता, सम्मान, प्रतिष्ठा, गौरव, प्रसिद्धि, साहस और व्यक्तिगत शक्ति काकारक कहा जाता है।

आपकी कुंडली में सूर्य ग्रह की स्थिति इस प्रकार है

राशि **मेष**	अंश **04:19:37**	नक्षत्र **अश्विनी - 2**
स्वामी **तिसरा भाव**	भाव में **ग्यारहवाँ भाव**	अस्त/अवस्था **नहीं / बाल**

सूर्य आपकी कुंडली मे हानिप्रद है

आपके जन्मपत्रिका में सूर्य ग्यारहवाँ भाव में एवं मेष राशि में स्थित है।

आप अपनी उपलब्धियों के लिए जाने जाते हैं . आप कुशाग्र बुद्धि तथा रोबीले व्यक्तित्व वाले व्यक्ति हैं . आप एक जिम्मेदार, उदार और निपुण मनुष्य हैं . कई लोग मार्गदर्शन और समर्थन के लिए आप की ओर आकृष्ट होते हैं . आप में अच्छे नेतृत्व के गुण हैं और आप काफी प्रसिद्धि अर्जित करेंगें . आप धनाढ्य और दीर्घायु हैं . आप विभिन्न सुख सुविधा का आनंद ले पायेंगें . एक राजा के सामान आप को चिरकाल तक खुशियाँ मिलती रहेंगीं. दूसरें आपके बारे में क्या सोचते हैं - यह आप के लिए बहुत महत्वपूर्ण है.

> " आप नेकदिल, न्याय परायण, धर्मभीरू, चतुर और कला-संगीत के शौकीन हैं .

कार्यसिद्धि की प्रबल इच्छा आप की भावनाओं पर हावी हो सकती हैं. आप दैवी विश्वास के साथ अपने उद्देश्यों को सिद्ध करते हैं . अपने लक्ष्यों तक पहुँचने के लिए आप काफी हद तक अपने दोस्तों, परिवारजनों और सहकर्मियों पर निर्भर रहते हैं . आप ऐसे दोस्त बनाने में सक्षम है जो बहुत प्रभावशाली और सत्ताधारक हैं. आप को समूहों में काम करना पसंद हैं . आप में संगठन कौशल हैं और अक्सर सामूहिक गतिविधियों में नेतृत्व की भूमिका अपनाते हैं. आप एक स्वतंत्र सलाहकार के रूप में या अन्य लोगों के संचित धन द्वारा आजीविका कमाता है. कई लोग आपके अधीन काम करते हैं . आप को सरकार अथवा

iwebnapp.com

शक्तिशाली, धनाढ्य वर्ग से मान्यता और ख़्याति प्राप्त हो सकती है .

अचानक धन प्राप्ति की भी सम्भावना है .आप अपने परिवार के कर्ता या ज्येष्ठ होंगें - आप पर अपने परिवार की सारी जिम्मेदारियों को निभाने का दायित्व होगा . बच्चे के जन्म में समस्या हो सकती है. बच्चों को स्वास्थ्य तथा अन्य परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है . आप को पेट से संबंधित समस्याएं हो सकती हैं. आत्म केन्द्रित या अहंकारी होने से बचें . मांसाहार व शराब से दूर रहें . कभी किसी को धोखा न दें और न ही झूठी गवाही दें.

सूर्य मंत्र	**॥ ॐ ह्रीं ह्रौं सूर्याय नमः ॥**

iwebnapp.com

चंद्रमा में मन, शक्ति और भावनाओं को प्रभावित करने की क्षमता है। चंद्रमा पानी और प्राकृतिक शक्तियों से जुड़ा हुआ है,यह एक ढुलमुल ग्रह है जो परिवर्तनों से संबंधित है। चंद्रमा भावनाओं, कल्पना, माता, हृदय, स्मृति, नींद, यात्रा, इच्छा, बचपन, बुद्धि से सम्बंधित है। चंद्रमा व्यक्ति कीइच्छाओं और पसंद से सम्बंधित है।

आपकी कुंडली में चन्द्र ग्रह की स्थिति इस प्रकार है

राशि **कुम्भ**	अंश **14:17:34**	नक्षत्र **शतभिसा - 3**
स्वामी **दूसरा भाव**	भाव में **नौवां भाव**	अस्त/अवस्था **नहीं / युवा**

चन्द्र आपकी कुंडली मे सम है

आपके जन्मपत्रिका में चन्द्र नौवां भाव में एवं कुम्भ राशि में स्थित है।

आप के व्यवहार में ईमानदारी हैं . आप का मन अत्यंत संवेदनशील और ग्रहणशील है. आप अत्यधिक धार्मिक, उदार हैं और बड़ों तथा गुरुजनों के प्रति समर्पण की भावना रखते हैं . आप आध्यात्मिक और दार्शनिक मानदंडों के अनुयायी हैं. सपने और परिकल्पना आप के लिए बहुत महत्व रखते हैं. जीवन के प्रति आप का दृष्टिकोण विलक्षण और काल्पनिक हैं, लेकिन आप में व्यावहारिक समझ की कमी है . आप एक जिज्ञासु व्यक्ति हैं और हर चीज़ को काल्पनिक दृष्टि से देखते हैं . आप में परम चैतन्य सीमा को ग्रहण करने की मनःस्थिति हैं . आप में यात्रा, अध्ययन, दर्शन इ. के माध्यम से अपने जीवन का विस्तार करने की अंतर्निहित जरूरत है.

> " आप उन्नत दिमाग और दृढ़ विचारों के स्वामी हैं .

आप दर्शन शास्त्र और आध्यात्मिक सत्य की खोज में रुचि रखते हैं. आप को लम्बी दूरी की तीर्थयात्राएं पसंद हैं . विशेष रूप से सामूहिक यात्राओं से आप को कई विविध प्रकार के अनुभव प्राप्त होते हैं . आप धर्म या दर्शन के मामलों में लोगों का मार्गदर्शन करने के लिए उपयुक्त हैं . आप एक अच्छे शिक्षक, प्रोफेसर,

iwebnapp.com

दार्शनिक, धार्मिक उपदेशक, गुरु बन सकते हैं . भू-संपत्ति संबंधी कार्य अप्रत्याशित लाभ देंगे.आप एक विदेशी से शादी कर सकते हैं अथवा काम के सिलसिले में विदेश जा सकते हैं. आप को एक सुंदर जीवन साथी और आज्ञाकारी बच्चों के सानिध्य का आशीर्वाद प्राप्त है . ससुराल वालों के साथ अच्छे संबंध रहेंगें . आप बहुत समृद्ध होंगे . आप के पिता दीर्घ आयु होंगें .आप अल्सर, आव जैसे पेट के रोगों से अक्सर पीड़ित हो सकते हैं. परिणाम स्वरूप शारीरिक तथा मानसिक बेचैनी और तनाव का सामना करना पड़ सकता है. कभी कभी किसी एक बात पर ध्यान केंद्रित करना आप के लिए मुश्किल हो जाता है . ऐसे में आप बार बार अपने विचार और धारणाएं बदलते हैं .धर्म के नाम पर कभी भी दान स्वीकार न करें . ज्योतिषी की सलाह से सोने की अंगूठी में पुखराज धारण कर सकते हैं . चांदी की छोटी सी डिब्बी में पवित्र जल अथवा पानी भर कर घर में स्थापित करें .

चंद्र मंत्र	**॥ ॐ ऐं क्लीं सोमाय नमः ॥**

iwebnapp.com

♂ ज्योतिष के अनुसार मंगल ग्रह हिम्मत और तानाशाही से सम्बंधित है। मंगल ग्रह को कार्य और विस्तार का ग्रह माना जाता है। मंगल, शक्ति, साहस, क्रोध, दुश्मन, हिंसा, छोटे भाई, बल, मांसपेशियों और वीरता से सम्बंधित है।

आपकी कुंडली में मंगल ग्रह की स्थिति इस प्रकार है

राशि **मिथुन**	अंश **05:15:04**	नक्षत्र **मृगशिरा - 4**
स्वामी **ग्यारहवाँ ,छठा भाव**	भाव में **पहला भाव**	अस्त/अवस्था **नहीं / बाल**

मंगल आपकी कुंडली मे हानिप्रद है

आपके जन्मपत्रिका में मंगल पहला भाव में एवं मिथुन राशि में स्थित है।

आप में भरपूर जीवन शक्ति है. आप में प्रबल संगठन कौशल है . आपका चिर युवा और सदाबहार व्यक्तित्व के स्वामी है; आप साहसी, मजबूत इरादों वाले और महत्वाकांक्षी प्रकृति के व्यक्ति हैं . आप हृष्ट-पुष्ट और बलवान हैं ; आप में प्रबल सहनशक्ति और ऊर्जा है, सफल होने की क्षमता भी है . आप बहुत उत्साहित रहते हैं. आपकी शारीरिक प्रतिरक्षात्मक क्षमता बहुत अच्छी है . आप बीमार भी पड़ते हैं तो बहुत जल्द ही ठीक होते हैं. आप साहस के साथ मुसीबतों का सामना कर सकते हैं . आप आत्म केंद्रित व्यक्ति हैं.

> " आप सामान्यतः आत्म-विश्वास से परिपूर्ण रहते हैं.

आपको ख़तरे मौल लेने का शौक है .कभी-कभी आप की ऊर्जा इतनी अधिक होती है कि आप आवेगी, लापरवाह और अविवेकी हो जाते हैं . जल्दबाज़ी और हड़बड़ी के कारण दुर्घटनाएं हो सकती हैं . आप हठ धर्मी, अधीर और बेसब्र स्वभाव के हैं; आप हमेशा अपनी मन मर्ज़ी ही करना चाहते हैं. आपमें गाली गलौज और झगड़ा करने की परिवृत्ति हो सकती है . इससे आपका वैवाहिक जीवन भी प्रभावित हो सकता है. आप का अपने पिता के साथ कुछ विवाद हो सकता है. बाधाओं के कारण वैवाहिक जीवनसंतुष्ट नहीं होगा.

iwebnapp.com

आप के सिर/चेहरे पर घाव, चोट या जलने के निशान हो सकते हैं. आपका पाचन अच्छा रहेगा . आप उच्च रक्तचाप की समस्या से पीड़ित हो सकते हैं .आपको सरकारी क्षेत्र, पुलिस या सेना में नौकरी मिल सकती है . आप रसायन, सर्जरी, दंत चिकित्सा, मैकेनिकल इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में सफल व्यवसायी बन सकते हैं .नि: शुल्क या दान में दी गयी चीजों को स्वीकार करने से बचें. कभी झूठ न बोलें . .

मंगल मंत्र	**॥ ॐ हूं श्रीं भौमाय नमः ॥**

iwebnapp.com

बुध बुद्धि और शिक्षा का ग्रह है, यह भाषण और तर्क से सम्बंधित है और इस प्रकार व्यक्ति के संचार कौशल पर इसका प्रभाव पड़ता है। बुध स्मृति, भाषण, राजनीति, व्यापार और व्यापार, मित्रों, मामा, चाचा, भतीजे, दत्तक पुत्र और तर्क से सम्बंधित है।

आपकी कुंडली में बुध ग्रह की स्थिति इस प्रकार है

राशि **मीन**	अंश **17:38:55**	नक्षत्र **रेवती - 1**
स्वामी **पहला ,चौथा भाव**	भाव में **दसवां भाव**	अस्त/अवस्था **नहीं / युवा**

बुध आपकी कुंडली मे सम है

आपके जन्मपत्रिका में बुध दसवां भाव में एवं मीन राशि में स्थित है।

भाषा और संचार आपके जुनूनी शौक हैं . आप अधिकार के साथ बात करते हैं और आप में संतुलित तथा व्यवहारिक वार्ता का कौशल है . कुछ नया और रोमांचक की तलाश में आप अक्सर करियर बदलते रहते हैं . आप ऐसे व्यवसायों की ओर खिंचे चले जाते हैं जहाँ आप को विश्लेषण और संगठन करने तथा स्वतंत्र रूप से बोलने के अवसर मिलें . आप अपने पेशे में वाणी तथा लेखन का भरपूर प्रयोग कर सकते हैं . अध्यापन के क्षेत्र में आप का भविष्य उज्जवल हो सकता है . आप में कई प्रतिभएँ विद्यमान हैं, जिस वजह से आप एक साथ कई कार्यों में संलग्न हो सकते हैं . दलाली, प्रोफेसरी, पत्रकारिता, वकालत, ज्योतिष, लेखांकन, विज्ञापन, इंजीनियरिंग आदि क्षेत्रों में आपको यश प्राप्त होगा. आप कंप्यूटर, संगीत वाद्ययंत्र, रेडियो, टेलीविजन, इलेक्ट्रॉनिक आइटम आदि के व्यापार में उत्कृष्ट सफलता प्राप्त कर सकते हैं.

> " आपकी मानसिक सतर्कता और निपुणता तथा नेतृत्व के गुण आप की मुख्य पूंजी हैं .

आपके व्यवसाय में निरंतर भ्रमण करते रहने की संभावना है . अपनी विस्तृत बुद्धि और कुशल संचार कौशल के बल पर अपने लिए निर्धारित किसी भी

iwebnapp.com

कैरियर में बहुत सफल होंगें . आप को जीवन में सम्मान, सत्ता, रुतबा, पद प्राप्त होंगें . आप साहसी, निर्मल मन और अच्छे आचरण वाले व्यक्ति हैं . आप कई विषयों की जानकारी रखते हैं . आप अपने मधुर स्वभाव और महान कार्यों के लिए लोकप्रियता हासिल करेंगे . आपके कई मित्र तथा समर्थक होंगें . आप को विरासत में पैतृक संपत्ति मिलने की संभावना है आप अपने स्वयं के प्रयासों से अच्छे घर का निर्माण कर पायेंगें .

आप वैवाहिक जीवन और मानसिक सुख का आनंद उठा पायेंगें . दमा, हर्निया, गुर्दे और पेट से संबंधित रोग आप को परेशान कर सकते हैं . हवाई और समुद्री यात्रा आप के लिए हानिकारक साबित हो सकती हैं . मांसाहार और शराब का सेवन न करें . धार्मिक स्थानों में चावल और दूध का दान दें . अपने घर को किराए पर मत दें . अपने घर के ईशान कोण (उत्तर पूर्वी कोने) में एक तुलसी का पौधा अवश्य लगाएं. .

बुध मंत्र	**॥ ॐ ऐं श्रीं श्रीं बुधाय नमः ॥**

iwebnapp.com

बृहस्पति को मंत्रि ग्रह माना जाता है जो ज्ञान, खुशी और अच्छे भाग्य से संबंधित है। बृहस्पति धन, ज्ञान, गुरु, पति, पुत्र, नैतिक मूल्यों, शिक्षा, दादा दादी और शाही सम्मान का कारक है। यह धार्मिक धारणा, भक्ति और लोगो के विश्वास को दर्शाता करता है।

आपकी कुंडली में गुरु ग्रह की स्थिति इस प्रकार है

राशि **कुम्भ**	अंश **15:24:31**	नक्षत्र **शतभिसा - 3**
स्वामी **सातवाँ ,दसवां भाव**	भाव में **नौवां भाव**	अस्त/अवस्था **नहीं / युवा**

गुरु आपकी कुंडली मे हानिप्रद है

आपके जन्मपत्रिका में गुरु नौवां भाव में एवं कुम्भ राशि में स्थित है।

आप आशावादी, सहनशील, उदार, विचारशील हैं . आप रूपवान हैं और आपके व्यक्तित्व में एक विशेष आकर्षण है . आप अपने विश्वासों में अत्यंत सिद्धांतवादी और हठधर्मी हो सकते हैं . आप असाधारण रूप से धर्मार्थ और दयालु हैं . आपका संक्रामक आशावाद आप को लोकप्रिय बनाता है.आप में गहरा अंतर्ज्ञान, अच्छी निर्णायक शक्ति और ज्वलंत महत्वाकांक्षायें हैं . आप को कानून, धर्म और दर्शन में रुचि हो सकती है. आप में दूसरों का मार्गदर्शन और प्रेरित करने की क्षमता है . आप के भीतर ज्ञान का एक सागर है जिसे आप हर किसी के साथ बांटना चाहते हैं .

> " आप बुद्धिमान और साहसी हैं .

आप वकील या न्यायाधीश, स्कूल या कॉलेज में शिक्षक या प्रोफेसर बनने के अनुकूल हैं. आप को विदेशी यात्राओ और विदेशियों के साथ लेन-देन करने से लाभ हो सकता है . जीवन के उत्तरार्द्ध में ही आपकी उपलब्धियों को पहचान प्राप्त होगी . आप को सभी प्रकार की सुख सुविधाओं, सद्गुणों, उच्च शिक्षा और धन का वैभव प्राप्त होगा . आप एक शानदार और राजसी जीवन जीएंगे . आप अपनी बुद्धि द्वारा काफी धन अर्जित करेंगे. आप को बहुत कम आयु में ही

iwebnapp.com

सफलता प्राप्त होगी . आप को राज्य तथा अधिकारियों से समर्थन प्राप्त होगा .

आप का पारिवारिक जीवन उत्तम होगा . दीर्घायु के साथ ही आपको अच्छी संतान का भी सौभाग्य प्राप्त है . आपके बच्चें अपने-अपने कार्य क्षेत्र में प्रसिद्ध होंगें . आप का स्वास्थ्य सामान्य रूप से अच्छा रहेगा . आप कभी कभी मौसमी फ्लू या सांस और दिल से संबंधित समस्याओं से पीड़ित हो सकते हैं.सोना पहनना आप के लिए शुभकारी है . मदिरापान, मांसाहारी भोजन और किसी भी तरह की अनैतिक गतिविधियों से दूर रहें . किसी से भी कोई मुफ्त उपहार न लें .

गुरु मंत्र	**॥ ॐ ह्रीं क्लीं हूं बृहस्पतये नमः ॥**

iwebnapp.com

वीनस कामुक सुख और कामुक आवेगों से सम्बंधित है। चमक और जीवन शक्ति का ग्रह होने के नाते भौतिकवाद और मांस के आनंद को दर्शाता है। वीनस को यौन इच्छाओं (काम), कामेच्छा, पत्नी का महत्व का कारक माना जाता है। यह जुनून, विवाह, लक्जरी लेख, गहने, वाहन, आराम और सुंदरता से संबंधित है।

आपकी कुंडली में शुक्र ग्रह की स्थिति इस प्रकार है

राशि **कुम्भ**	अंश **18:29:46**	नक्षत्र **शतभिसा - 4**
स्वामी **बारहवां ,पाँचवा भाव**	भाव में **नौवां भाव**	अस्त/अवस्था **नहीं / वृद्ध**

शुक्र आपकी कुंडली मे योगकारक है

आपके जन्मपत्रिका में शुक्र नौवां भाव में एवं कुम्भ राशि में स्थित है।

आप का चेहरा स्नेहशील और मुस्कुराता हुआ है. आप विनम्र, नेकदिल और कई कलाओं के ज्ञाता हैं. आप स्वतंत्रता या असीमितता में विश्वास रखते हैं . आप को यात्रा करना बहुत पसंद है . आप अपने जन्म स्थल से दूर रहेंगें . आप अपने सभी व्यवहार में निष्पक्ष और विधिसम्मत होते हैं . धर्म, संस्कार, दर्शन, कानून और उच्च शिक्षा के प्रति आप के मन में प्रेम और आकर्षण हो सकता है . आप को फटे में टांग अड़ाने की आदत हैं; दूसरों को बिनमांगी मदद देने के चक्कर में कई बार आप खुद मुसीबत में फँस जाते हैं .

> " आप कला और संगीत के पारखी हैं.

आप काफी जिद्दी और हठी हो सकते हैं .आप विभिन्न सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के लोगों को आकर्षित करते हैं . विभिन्न सांस्कृतिक समूहों केबीच सहमति और तालमेल बैठने की क्षमता आपमें हैं . विदेशी संस्कृतियों का सौंदर्य, कला और संगीत आपको आकर्षित करते हैं. आप साहसी साथी की ओर मोहित हो जाते हैं . आप की अपने भावी जीवनसाथी से विदेशी भूमि पर मुलाकात हो सकती हैं. आप की पति/पत्नी आप से अलग पृष्ठभूमि और संस्कृति के हो सकते हैं. आप

iwebnapp.com

अपने ससुरालवालों के साथ लाभदायक और सौहार्दपूर्ण रिश्तों का आनंद ले पायेंगें .

आप किसी एक पद या स्तिथि में बंधें नहीं रह सकते हैं . इसलिए आप नौकरियां बदलते रहते हैं . आप को खेतीबाड़ी, धार्मिक अनुष्ठान, इत्र, घर की सजावट, गहने, रेशम के कपड़े और ऑटोमोबाइल के उत्पादन से संबंधित व्यवसायों से लाभ होगा. आप लोक व्यवहार में दक्ष हैं और एक अच्छे सलाहकार भी हैं . आप विशेष रूप से मनोविज्ञान, कानून और चिकित्सा जैसे मामलों में अनौपचारिक परामर्श दे सकते हैं . आप संचार या प्रकाशन में भी संलग्न हो सकते हैं.प्राय: आपका स्वस्थ अच्छा रहेगा; हाथ पैर तथा पेट सम्बन्धी शिकायत हो सकती हैं. घर की नींव में चांदी की डिब्बी में शहद भरकर दबा दें .

शुक्र मंत्र	**॥ ॐ ह्रीं श्रीं शुक्राय नमः ॥**

iwebnapp.com

शनि एक धीमी गति का ग्रह है। इसे न्याय, तर्क और विनाशकारी शक्तियों का ग्रह कहा जाता है। यह आपदाओं और मृत्यु से संबंधित है। शनि को एक शिक्षक के रूप में भी माना जाता है। शनि लंबी उम्र से सम्बंधित है। यह देरी, अवरोध, दु: ख, नुकसान, चोरी, बुढ़ापे, दु: ख, प्रतिकूलता और आजादी सेसम्बंधित है।

आपकी कुंडली में शनि ग्रह की स्थिति इस प्रकार है

राशि **मिथुन**	अंश **06:26:24**	नक्षत्र **मृगशिरा - 4**
स्वामी **आठवाँ ,नौवां भाव**	भाव में **पहला भाव**	अस्त/अवस्था **नहीं / कुमार**

शनि आपकी कुंडली मे undefined है

आपके जन्मपत्रिका में शनि पहला भाव में एवं मिथुन राशि में स्थित है।

आप गंभीर प्रकृति वाले एक शर्मीले इंसान हैं . आप दिखने में कठोर और गंभीर हैं . आप कठोरता से और दो टूक बात करते हैं . आपकी उपस्थिति ही हर किसी के लिए शुभ है . आप अत्यधिक मजबूत विचारधारा वाले व्यक्ति हैं . आप में धैर्य और आत्म अनुशासन का एक मजबूत संयोग है . आपको जीवन में कई बार बाधाओं और विलम्ब का सामना करना पड़ सकता हैं . आप जिम्मेदार, परिश्रमी और कर्तव्य परायण है . आप का बचपन मुश्किल रहा होगा . हीनता, असुरक्षा या अयोग्यता की भावनाएँ आप को महान उपलब्धियों को पाने के लिए प्रेरित करती हैं .

> " आप का व्यक्तित्व सख्त और हठीला है .

आप अपनी चतुराई के लिए प्रसिद्ध हैं .आप एक ही स्थान पर बैठना पसंद नहीं करते . कार्य के दौरान भी आपको लगातार एक स्थान से दूसरे स्थान तक चलने या ड्राइविंग करने की जरूरत होती होगी . दुनिया से दूर अकेले में चिंतन करना आपके लिए सबसे सुखद शगल है . लोग अक्सर आपको काफी भावशून्य समझ लेते है . आप बहुत जल्द निराशा से घिर जाते हैं . जीवन में हर चीज़ का प्रतिफल आप को देर से ही प्राप्त होता है . मध्यम आयु के बाद जीवन

iwebnapp.com

का अच्छा समय शुरू होगा. . विवाह में विलंब हो सकता है .

आपका जीवन साथी बड़ी उम्र का हो सकता है. समय के साथ भाईबहनों के साथ संबंध उदासीन होते जायेंगें.हाँ, आप का कैरियर सुगठित होगा . आप बहुत अनुशासित, मेहनती और संरचित हैं. आप कानून, इंजीनियरिंग, मैकेनिकल, निर्माण-कार्य सम्बन्धी कैरियर चुन सकते हैं. आप लोहा, सीमेंट, प्लास्टिक, चमड़ा, लकड़ी और शराब के व्यवसाय में यशस्वी होंगे .आप शराब, धूम्रपान, लापरवाह व्यवहार, इ. के आदि हो सकते हैं; जिससे अंततः आपके स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभाव पड़ सकता हैं . मांसाहारी भोजन और शराब से दूर रहें . कभी झूठ न बोलें और न ही झूठी गवाही दें.

शनि मंत्र	**॥ ॐ ऐं ह्रीं श्रीं शनैश्चराय नमः ॥**

iwebnapp.com

अजीब और अपरंपरागत ग्रह होने के कारण राहु भौतिकवाद से सम्बंधित है और कठोर वाणी, कमी और इच्छा से सम्बंधित है। राहु को ट्रान्सेंडेंटलिज्म का ग्रह कहा जाता है। यह विदेशी भूमि और विदेशी यात्रा से सम्बंधित है।

आपकी कुंडली में राहु ग्रह की स्थिति इस प्रकार है

राशि **वृश्चिक**	अंश **28:44:34**	नक्षत्र **ज्येष्ठा - 4**
स्वामी **चौथा भाव**	भाव में **छठा भाव**	अस्त/अवस्था **नहीं / बाल**

आपके जन्मपत्रिका में राहु छठा भाव में एवं वृश्चिक राशि में स्थित है।

आप ज्ञानी, परोपकारी, शक्तिशाली और बुद्धिमान हैं; अपने काम से दूसरों को उदाहरण दे सकते हैं . आपका दिमाग बहुत तेज है . आप का व्यक्तित्व आकर्षक और गरिमामय है . आप में कड़ी मेहनत के साथ काम करते रहने की सनक है . जीवन के प्रति आप का दृष्टिकोण बहुत ही व्यावहारिक है . आप अपनी बुद्धि से धन और लोकप्रियता प्राप्त करेंगें . आप किसी से नहीं डरते . आप अपने सभी शत्रुओं को परास्त करने में सक्षम हैं . आप को अच्छा खाना पसंद है .आप विदेश यात्रायें करेंगें; हो सकता है कि आप विदेश में कार्यरत हों .

> " आप स्थिर बुद्धि, शौर्य और विवेक के स्वामी हैं .

आप दर्शन, धर्म, भौतिकवादी ज्ञान, खेल कूद, चिकित्सा और आयुर्वेद के क्षेत्रों में बहुत सारा पैसा कमा सकते हैं . आप संघर्ष एवं विरोधाभास प्रबंधन की भूमिका के लिए अति उपयुक्त हैं . आप एक अच्छे वकील बन सकते हैं . आप को सरकार से सहयोग और लाभ मिलेगा . भ्रष्टाचार, कालाबाजारी, लॉटरी आदि द्वारा पैसे कमाने से बचें . अंततः आप को दूसरों की सेवा के माध्यम से ही परम सफलता प्राप्त होगी .आप एक बड़े और संयुक्त परिवार में रहेंगें . आप के घर में सभी प्रकार की आलीशान वस्तुएं उपलब्ध होंगी . पैतृक धन के माध्यम से लाभ संभव है . अपने भाई बहनों के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखें .

आप अनिद्रा से पीड़ित हो सकते हैं . आपका स्वास्थ्य वर्णनातीत बीमारियों से ग्रस्त हो सकता है . डॉक्टर आपके रोग की जड़ को पहचानने में असमर्थ हो सकते हैं . आप विषाक्तता, मनोवैज्ञानिक या मानसिक विकार, मिर्गी से पीड़ित हो सकते हैं . आप दुर्घटनाओं और चोटों से ग्रस्त हो सकते हैं . आप का जीवन लंबा है .काले कुत्ते को पालना और उसकी सेवा करना आप के लिए बहुत शुभ साबित होगा . आप अपने कार्यस्थल पर काले शीशों का प्रयोग कर सकते हैं .

iwebnapp.com

लेकिन काले धूप का चश्मा पहनने से बचें . ड्रग्स और शराब से दूर रहें .

राहु मंत्र	॥ ॐ ऐं ह्रीं राहवे नमः ॥

iwebnapp.com

केतु मोक्ष, पागलपन का ग्रह है। यह आध्यात्मिकता से सम्बंधित है। केतु रहस्यमय, भ्रामक, गुप्त और पेचीदा ग्रह है। केतु दर्द, रहस्य, गुप्त विज्ञान, उदासीनता, दर्शन, अलगाव और कारावास का प्रतीक है।

आपकी कुंडली में केतु ग्रह की स्थिति इस प्रकार है

राशि	अंश	नक्षत्र
वृष	28:44:34	मृगशिरा - 2
स्वामी	**भाव में**	**अस्त/अवस्था**
दसवां भाव	बारहवां भाव	नहीं / बाल

आपके जन्मपत्रिका में केतु बारहवां भाव में एवं वृष राशि में स्थित है।

आप एक जिम्मेदार व्यक्ति हैं और हमेशा अपने सभी उत्तरदायित्वों के प्रति कर्तव्यपरायण रहेंगें . आप एक बहुत जिज्ञासु व्यक्ति हैं; हमेशा कुछ नया करने की तलाश में रहते हैं . अपनी मेहनत और प्रयास के बल पर आप अपने व्यवसाय और वित्त की सराहनीय ऊंचाइयों तक जा सकते हैं . सुख-साधन और भोग-विलास की वस्तुएं आपके अधीन होंगीं . आप एक संतोषजनक और सुखी जीवन व्यतीत करेंगें . विदेश यात्रा तथा यात्राओं के माध्यम से लाभ संभव हैं . आप वित्तीय समस्याओं का सामना कर सकते हैं . आप गुप्तचार सेवा में शामिल हो सकते हैं; आप नेत्र विशेषज्ञ, अनुवादक, दुभाषिया, कंप्यूटर इंजीनियर, स्वास्थ्य / अस्पताल / जेल में कार्यकर्ता बन सकते हैं .

> आप अपनी बुद्धि और समय का अच्छा उपयोग कर सकते हैं .

आप में दृढ़ आध्यात्मिक झुकाव है और आप निरंतर निवृत्ति की खोज में में लगे रहते हैं . आप गूढ़ और गुप्त विज्ञान की ओर आकर्षित रहते हैं . आप में विशेष उपचारात्मक शक्तियों हो सकती हैं . आप योगी और भोगी दोनों का आनंद उठा सकते हैं . आयु के बढ़ने के साथ-साथ आप धीरे-धीरे अनासक्ति और मोक्ष की दिशा में कदम बढ़ाएंगें.आप को कानूनी जटिलताओं, हानि, गुप्त शत्रुओं और यहां तक की कारावास का भी सामना करना पड़ सकता है . आप को कई अनावश्यक यात्राएं करनी पड़ सकती है . यदा कदा आप का दिमाग चंचल और अस्थिर हो सकता है .

आप अवांछनीय उद्देश्य की प्राप्ति में अपने पैसे बर्बाद कर देंगे . आप अनैतिक या निषिद्ध कृत्य भी कर सकते हैं जिस के कारण आपका धन नष्ट हो जायेगा . वैवाहिक सुख क्षीण होगा .आप आंखों, सिर और पैर के निचले भाग में रोगों से पीड़ित हो सकते हैं . चिकित्सक की सलाह के बिना कभी भी दवा न लें; यह

iwebnapp.com

घातक साबित हो सकता है . आप में आत्महत्या करने की प्रवृत्ति हो सकती है.कुत्ते को खाना खिलाएं . कभी किसी भी जानवर को लात न मरें और न ही कोई नुकसान पहुंचाए .

केतु मंत्र	॥ ॐ ह्रीं ऐं केतवे नमः॥

iwebnapp.com

With the help of our experts we does all the complex astronomical and algorithmic calculations for your horoscope and provide you this Janam Patrika in PDF format.

i-WebnApp Technologies
http://www.iwebnapp.com
iwebnapp@gmail.com
+91-